■ कार्तिक कृष्ण - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 80 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 13-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पर्यटन क्षेत्र के सालाना 25% से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान : शेखावत

6 डोनाल्ड ट्रंप : एक सुन्दर सपना टूट गया

7 मां के किरदार की पहली पसंद थीं निरूपा रॉय

फर्स्ट टेक

मेडागास्कर में तख्तापलट की कोशिश हो रही है : राष्ट्रपति

एंटानानारिवो (मेडागास्कर)/एपी। हिंद महासागर में स्थित द्वीप मेडागास्कर में तख्तापलट की कोशिश की जा रही है। देश के राष्ट्रपति ने रविवार को यह दावा किया। राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि वह ''राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सूचित करना चाहते हैं कि अवैध रूप से और बलपूर्वक सत्ता हथियाने का प्रयास'' शुरू किया गया है। बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि सरकार को उखाड़ फेंकने का प्रयास कौन कर रहा है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

झूठ बाजार

सब जनता को यह बोल रहे,
प्रतिपक्षी झूठ बोलता है।
झूठों के वचनों को सुन कर,
जन उनकी बात तौलता है।
ये भी झूठे वो भी झूठे,
फिर सच को कौन मोलता है।
झूठों के झांसे देख नित्य,
वोटर ना भेद खोलता है।।

संविधान ने सुनिश्चित किया है कि भारत मजबूत और एकजुट रहे : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रत्नागिरि/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने रविवार को कहा कि संविधान ने यह सुनिश्चित किया है कि देश मजबूत और एकजुट रहे, जबकि पड़ोसी देश अशांति और उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के मंडणगड तालुका में एक न्यायालय भवन का उद्घाटन करने के बाद प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि यह भवन ऐसे क्षेत्र में बना है, जिसमें संविधान के मुख्य निर्माता और महान समाज सुधारक बाबासाहेब अंबेडकर का पैतृक गांव अंबावडे भी शामिल है।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, युद्ध और शांति, दोनों ही स्थितियों में देश एकजुट रहा है और विकास के पथ पर अग्रसर रहा है। हमने आंतरिक आपातकाल भी देखा है, लेकिन हम मजबूत और एकजुट रहे हैं। यह डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान के कारण है, जो हमें उन पड़ोसी देशों से अलग करता है, जहां अशांति का माहौल है।

श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल में नेपाल में अशांति के कारण सरकारों में बदलाव हुआ है, साथ ही दंगों और आगजनी के कारण नागरिकों को बड़े पैमाने पर परेशानी का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, पिछले 22 वर्षों में एक न्यायाधीश के रूप में, मैंने न्याय के विकेंद्रीकरण के लिए आवाज उठाई है और यह सुनिश्चित किया है कि कई न्यायिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हों। मुझे सबसे अधिक संतोष कोल्हापुर सर्किट बेंच (मुंबई उच्च न्यायालय की) और यह मंडणगड न्यायालय भवन को देखकर हुआ है, जो दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है।

इसे एक सपने के साकार होने जैसा बताते हुए प्रधान न्यायाधीश ने मंडणगड न्यायालय भवन परियोजना में तेजी लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हालांकि, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत से लोगों को न्याय मिलने की उम्मीद की जाती है।

शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत को ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है जो देश की समृद्ध विविधता को प्रतिबिंबित करे और यह ''कुछ लोगों का विशेषाधिकार'' न बने। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्रता का आधार है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने यह भी कहा कि भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनाने की आवश्यकता है और इसके लिए अमेरिका या पेरू के साथ साझेदारी एक संभावित रास्ता हो सकता है। कांग्रेस नेता गांधी ने पेरू की पोंटिफिकल कैथोलिक यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ चिली के छात्रों के साथ बातचीत में शिक्षा, लोकतंत्र और भू-राजनीति पर केंद्रित एक ''गहन संवाद'' किया।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर गांधी के हवाले से कहा, भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनाने की जरूरत है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में फले-फूले। इसलिए, पेरू या अमेरिका के साथ साझेदारी आगे का रास्ता हो सकता है। इसके साथ ही कांग्रेस ने दक्षिण अमेरिका में छात्रों के साथ गांधी के संवाद का एक वीडियो भी साझा किया।

गांधी ने कहा, जब शिक्षा की बात आती है तो इसकी शुरुआत जिज्ञासा से होती है और खुले विचारों से सोचने, बिना किसी डर या सामाजिक-राजनीतिक बंधनों के प्रश्न पूछने की आजादी से। शिक्षा कुछ चुनिंदा लोगों के लिए कोई विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए।

ट्रंप की 100 प्रतिशत शुल्क की धमकी के बावजूद पीछे नहीं हटेगा चीन

बीजिंग/एपी। चीन ने रविवार को संकेत दिया कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 100 प्रतिशत शुल्क की धमकी के बावजूद पीछे नहीं हटेगा। उसने अमेरिका से आग्रह किया कि वह धमकियों के बजाय बातचीत के जरिये मतभेदों को सुलझाए। वाणिज्य मंत्रालय ने ऑनलाइन जारी एक बयान में कहा, चीन का रुख स्पष्ट है। हम शुल्क युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं हैं। यह प्रतिक्रिया ट्रंप द्वारा एक नवंबर तक चीन से आयात पर कर बढ़ाने की धमकी के दो दिन बाद आई है। यह धमकी कई उपभोक्ता और सैन्य उत्पादों के लिए एक प्रमुख घटक, दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर चीन द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों के जवाब में दी गई थी। इस घटनाक्रम से ट्रंप और चीन के नेता शी चिनफिंग के बीच संभावित बैठक पटरी से उतरने और शुल्क युद्ध को लेकर बनी सहमति को लेकर संकट पैदा हो गया है। अप्रैल में दोनों पक्षों की ओर से नए शुल्क कुछ समय के लिए 100 प्रतिशत से ऊपर चले गए थे।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी भूस्खलन

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के नरसू इलाके में रविवार को भारी भूस्खलन के कारण एक होटल और आसपास की दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बताया कि नरसू नाले में जमीन धंसने से कई इमारतें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा, भूस्खलन के कारण अमृतसरी हवेली, बुराक स्वीट्स और अजवा स्वीट नाम की इमारतें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बताया कि अगस्त महीने में हुई हालिया बारिश के दौरान इन इमारतों को पहले ही आंशिक नुकसान पहुंच चुका था।

पाकिस्तान के साथ संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है अफगानिस्तान : मुत्तकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष का अफगानिस्तान शांतिपूर्ण समाधान चाहता है, लेकिन यदि प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उसके पास 'अन्य विकल्प' भी हैं। उन्होंने कहा कि उनका देश किसी भी ''बाहरी आक्रमण'' का सामना करने के लिए पूरी तरह एकजुट है।

बृहस्पतिवार को काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच फिर से संघर्ष शुरू हो गया है। भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आये मुत्तकी ने कहा कि कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है और उनका देश अपनी संप्रभुता का किसी भी तरह का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगा।

पाकिस्तानी कार्रवाई के जवाब में अफगान बलों ने शनिवार रात दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पर कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमला किया, जिससे व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई।

KIIT
Organisation in Special Consultative Status with the United Nations Economic & Social Council (UN-ECOSOC)

KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY
KIIT Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act 1956), Bhubaneswar, Odisha, India
KIIT is only 28 years old as an institute (1997 – 2025) and 22 years old as a university.

THE World University Rankings 2026

KIIT placed globally in the Top 501 Cohort
Ranked 259th Globally in Academic Excellence
5th Best in India

Top Performer in India in Three Parameters
Industry Integration
International Outlook
Social Commitment
Strong alignment with SDG goals 4, 10 & 16

KIIT's Rank Over the Years
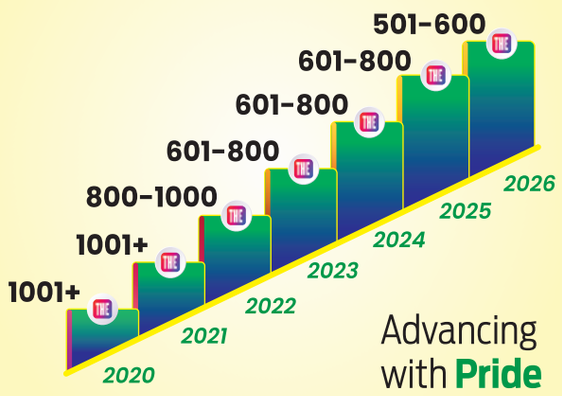

TIMES HIGHER EDUCATION SUMMARY STATEMENT

"KIIT's performance in THE (Times Higher Education) World University Rankings 2026 reflects a decade of transformation from Local Excellence to Global Excellence. The institution has demonstrated that a socially inclusive university from Odisha can compete with the world's finest through innovation, compassion, and quality education."

"Every state aspires to have an institution ranked among the top 500 globally. I am happy that KIIT, a 28-year-old institution (established in 1997) and a Deemed to be University for 22 years (declared in 2004), has been placed among the premier institutions and universities of the world in the 501 cohort. This accomplishment is a matter of pride for Odisha in particular, and for India as a whole."

Achyuta Samanta (Founder-KIIT,KISS & KIMS)

OTHER RANKINGS

17th Among Indian Universities Ranked by NIRF, Govt. of India — nirf 2025
A++ Grade Accrediated by NAAC
Tier 1 Re-accredited by NBA All Engineering Programs for 6 Years
1st in Odisha, 9th in India Among private universities — QS World University Rankings 2026
ABET (US) Accreditation
The Institution of Engineering and Technology
Special Consultative Status by the UN-ECOSOC
Partnership with UN Volunteers

KIIT-DU, Patia, Bhubaneswar, Odisha, India 751024 kiit@kiit.ac.in www.kiit.ac.in

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha.
It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

पेश है
चेक्स की ज़्यादा तेज़ क्लियरिंग

अब से,
बैंक उसी दिन चेक्स पास/रिटर्न करेंगे।
ग्राहकों को उसी दिन क्रेडिट मिलेगा।

3 जनवरी 2026 से,
बैंक 3 घंटों के भीतर चेक पास/रिटर्न करेंगे।
ग्राहकों को कुछ ही घंटों में क्रेडिट मिलेगा।

इसका क्या अर्थ है?
- अधिक तेजी से राशि की उपलब्धता
- बेहतर सुविधा
- विलंब में कमी

ध्यान देने योग्य पॉइंट
- चेक बाउंस टालने के लिए पर्याप्त बैलेंस बनाए रखें

क्यूआर कोड स्कैन करें
अधिक ब्यौरा के लिए, अपने बैंक से संपर्क करें या आरबीआई की अधिसूचना दिनांकित 13 अगस्त 2025 पढ़ें। प्रतिक्रिया के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें।
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

एसपी रोड हब्बा में खरीददारी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एसपी रोड हब्बा-2025 में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति को दर्शाते हुए यक्षगान और भरत नाट्यम की प्रस्तुति दी गई। संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस हब्बा की चर्चा हर ओर है और ग्राहकों से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

हब्बा के मुख्य प्रायोजक सैनडिस्क कम्पनी के साथ सह प्रायोजक कैनन और जेबरा कम्पनी हैं। शनिवार को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम को जेब्रॉनिक्स कम्पनी ने प्रायोजित किया। हब्बा के सह संयोजक उदेश राजपुरोहित, अमित बोराना, विशाल बोहरा, नरेश जैन ने व्यवस्था संभाली।

विनयवान व्यक्ति लोक में सर्वत्र आदरणीय बन जाता है : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सन गार्डन स्थानक में विराजित साध्वी आगमश्री एवं धैर्याश्री ने उत्तराध्ययन सूत्र के पारायण में विनय का विशेष महत्व बताते हुए कहा कि विनय धर्म का मूल है। विनीत शिष्य को ही आध्यात्मिक पात्रता प्राप्त होती है। विनयवान का सर्वत्र आदर होता है और वह गुरु की संपूर्ण कृपा प्राप्त कर लेता है। उन्होंने कहा कि विनय व्यवहार से शिष्य अपने गुरु के हृदय में स्थान बना लेता है, उनके हृदय को जीत लेता है और विनय से प्रसन्न हुए गुरु अपने शिष्य को विपुल ज्ञान एवं सिद्धियां प्रदान कर देते हैं। विनयवान व्यक्ति लोक में सर्वत्र आदरणीय बन जाता है। साध्वी आगमश्री के 87 वें आयम्बिल दिवस के उपलक्ष्य में राजुल महिला मंडल और प्रेरणा बहु मंडल द्वारा धार्मिक नाटक की प्रस्तुति दी गई। मानव सेवा कार्य के अन्तर्गत विल्सनगार्डन जैन युवा संगठन द्वारा अन्नदानम का कार्यक्रम किया गया एवं 1000 जरूरतमंदों को गुड़ की भेलियां वितरित की गई।

तेयुप हनुमंतनगर को सेवा वर्ग में मिला द्वितीय स्थान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अहमदाबाद में विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 59वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'एकत्व' में देशभर की 366 शाखा परिषद के कार्यों का मूल्यांकन कर अभातेयुप द्वारा तेयुप एचबीएसटी हनुमंतनगर को उनके द्वारा किए कार्यों के लिए सेवा वर्ग में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तेयुप हनुमंतनगर के वर्ष 2024-25 के अध्यक्ष कमलेश झाबक ने आचार्यश्री के दर्शन कर प्रतिवेदन पेश किया तथा द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर कमलेश झाबक, परिषद शाखा के प्रभारी विनोद मुथा, पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, वर्तमान अध्यक्ष स्वरूप चौपड़ा, मंत्री देवेंद्र आंचलिया, सहमंत्री गौतम चावत, विमल चावत ने आचार्यश्री सहित मुख्य मुनि महावीर कुमार जी, साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी, मुख्य नियोजिका साध्वी श्री संबुद्धयशा जी, अभातेयुप प्रवेशक मुनि योगेश कुमार जी, मुनि दिनेश कुमार जी, मुनि श्री विश्रुत कुमार जी आदि साधु-साध्वियों के दर्शन किए।

जेबीएन वी-कनेक्ट की चौथी अवधि की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जीतो जेबीएन वी कनेक्ट की चौथी अवधि की बैठक चामराजपेट में लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, अपेक्स जेबीएन के संयोजक मनोज कोचर, अपेक्स स्मॉल स्केल की संयोजिका रेखा छाजेड़, अपेक्स आत्मनिर्भर हाउसहोल्ड की संयोजिका बिंदू रायसोनी, लेडीज विंग कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता की उपस्थिति में बैठक हुई। बैठक में नई लीडरशिप टीम की घोषणा हुई जिसमें रेफ़रल हेड लीला पितलिया, रेफ़रल लीड मीनू जैन एवं रेफ़रल सचिव संगीता जैन शामिल हुई। कार्यक्रम में लर्निंग सेशन में ब्रेन इंस्टिट्यूट की संस्थापिका तनुजा मेहता ने 'व्हाट्सएप टैप को बनाएं एक स्मार्ट मूव' विषय पर प्रस्तुति दी।

बीएसएफ की वायु शाखा को मिली पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की वायु शाखा को अपने 50 साल से अधिक के इतिहास में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर मिली है। बीएसएफ की वायु शाखा में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर की नियुक्ति आंतरिक प्रशिक्षण पूरा होने के बाद हुई है।

इंस्पेक्टर भावना चौधरी और चार पुरुष अधीनस्थ अधिकारियों को हाल में बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने फ्लाइंग बैज प्रदान किए। सीमा सुरक्षा बल को 1969 से गृह मंत्रालय (एमएचए) की विमानन इकाई का संचालन करने का दायित्व सौंपा गया है और यह सभी अर्द्धसैनिक बलों और एनएसजी व एनडीआरएफ जैसे विशेष बलों की अभियानगत आवश्यकताओं को पूरा करता है। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पांच अधीनस्थ अधिकारियों को ''बीएसएफ वायु शाखा के प्रशिक्षकों द्वारा शुरू से ही प्रशिक्षित किया गया था और उन्होंने हाल में अपना दो महीने का प्रशिक्षण पूरा किया है। अगस्त से शुरू हुए दो महीने के आंतरिक प्रशिक्षण के दौरान पांचों कर्मियों को 130 घंटे तक प्रशिक्षित किया गया और उन्हें काम का वास्तविक अनुभव भी मिला क्योंकि बीएसएफ वायु शाखा की विभिन्न इकाइयों ने पंजाब और अन्य राज्यों में हाल में आई बाढ़ के दौरान भी परिचालन उड़ानें भरीं।

टीपीएफ वेस्ट ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) वेस्ट ने रविवार को आरआर नगर तेरापंथ भवन में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।साध्वीश्री पुण्ययशा जी के सान्निध्य में आयोजित एक कार्यक्रम में अध्यक्ष ललित बेगानी ने सभी का स्वागत करते हुए छात्रवृत्ति सुविधा के बारे में जानकारी दी। साउथ ज़ोन के अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने संस्था के बारे में बताया।

आरआर नगर सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड और विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर ने अध्यात्मिक और शैक्षणिक जीवन के महत्व पर चर्चा की।इक्कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राकेश खटेड़ ने महावीर स्वामी के बहुचर्चित सिद्धांतों को वर्तमान विज्ञान प्रयोगों के साथ जोड़ा। उन्होंने मस्तिष्क की शक्ति को बढ़ाने के लिए रिसीव, रिटेन और रिकॉल थ्योरी को अपनना चाहिए। साध्वीश्री पुण्ययशा जी ने छात्रों और अभिभावकों को अंकों के आगे की दुनिया के बारे में बताया और वर्तमान जीवन के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता पर जोर दिया।कार्यक्रम के अंत में टीपीएफ टीम ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान पदक, प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। मंत्री कौशल खटेड ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

आरएसएस के पथ संचलन में दिखा उत्साह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के एक सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे शताब्दी महोत्सव के तहत रविवार को बेलन्दूर नगर में स्वयं सेवकों का भव्य पथ संचलन आयोजित किया गया।

पथसंचलन का शुभारंभ नगर मध्य स्थित वेंकटेश्वर मंदिर से हुआ। पथ संचलन मुख्य बाजार, ग्रीन ग्लेन ले आउट से होता हुआ नगर की मुख्य सड़कों एवं मोहल्लों से गुजरता हुआ पुनः वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचा। पथ संचलन के दौरान उत्तरभारतीय व्यापारियों ने स्वयंसेवकों पर फूल बरसाकर सम्मान किया।

पथ संचलन में संघ के सहकार्यवाह हेमंत कुमार, वर्तुर भाग व्यवस्था प्रमुख बाबुरेड्डी, मंजूनाथ बेलन्दूर नगर प्रमुख भूपेश कश्यप, प्रकाशसिंह, अरुण शर्मा सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वृद्धाश्रम में दीपावाली

बेंगलूरु के सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने अपने रविवार को केआर पुरम स्थित साईं कृपा चैरिटेबल ट्रस्ट अनाथालय एवं वृद्धाश्रम में इको-फ्रेंडली दीपावली उत्सव मनाया। अनाथालय के 50 बच्चों और वृद्धाश्रम के 35 वरिष्ठ नागरिकों के साथ दीपक जलाकर दीपावली मनाई, मिठाई वितरित की और अनेक सांस्कृतिक गतिविधियों की गई। बच्चों ने अपनी अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

मटाटा और रेंगरुक बनें दिल्ली हाफ मैराथन के चैंपियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासैट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीतीं।

पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा। दोनों विजेताओं को 27,000 डॉलर का पुरस्कार मिला। कीनिया के रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

इस प्रतियोगिता के दूत और नौ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कार्ल लुईस ने समापन रेखा पर विजेताओं का स्वागत किया।

हाफ मैराथन, ओपन 10के, चैंपियंस विद डिसेबिलिटी रन, सीनियर सिटीजन रन' और 'ग्रेट दिल्ली रन' सहित विभिन्न श्रेणियों में 40,000 से अधिक धावकों ने दिल्ली की सड़कों पर दौड़ लगाई।

मटाटा ने दौड़ की शुरुआत से अपना दबदबा कायम करते हुए इथोपिया के टेशागर और हमवतन किपकोगी को आसानी से पछाड़ा। इस 28 साल के धावक ने इस वर्ष की शुरुआत में चीन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स प्लेटिनम स्तर की दौड़ मीशान रेनशो हाफ मैराथन को 59:28 सेकंड में पूरा करके जीता था। मटाटा ने खिताब जीतने के बाद कहा कि वह अपने

बीमार भाई के चेहरे पर खुशी लाने के लिए दौड़ के दौरान खुद को प्रेरित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह जश्न... मैं अपने और अपने भाई के लिए मना रहा हूं। मुझे लग रहा था कि यहां मेरी जगह मेरा भाई दौड़ रहा है। वह बीमार है तो मैंने सोचा की उसकी चेहरे पर खुशी के लिए पूरी ताकत झोंक देनी चाहिए। उन्होंने पिछले साल के मुकाबले इस साल की परिस्थितियों को बेहतर करार देते हुए कहा, यह एक शानदार अनुभव था, मुझे ट्रैक की अच्छी जानकारी थी, तो मैंने खुद से कहा, दौड़ पूरी होने तक जोर लगाते हैं' और मैंने योजनाबद्ध तरीके से ऐसा किया और जीत दर्ज करने में सफल रहा। उन्होंने कहा, इस बार का अनुभव बेहतर था क्योंकि पिछली बार की तुलना में गर्मी और उमस कम थी।

इसके विपरीत महिलाओं की दौड़ बेहद रोमांचक रही। विश्व क्रॉस-कंट्री की कई पदक विजेता और खिताब की दावेदार रेंगरुक अंतिम चरण में बढ़त बनाते हुए इथियोपिया खिलाड़ियों को पीछे छोड़ने में सफल रही। इस दौरान पहली बार अपने देश से बाहर दौड़ रही बिरातु ने रेंगरुक को कड़ी टक्कर देते हुए प्रभावित किया। रेंगरुक ने खिताब जीतने के बाद कहा, यह दौड़ कठिन थी और सभी धावक शानदार थे। मैंने खुद से कहा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं क्योंकि मुझमें दौड़ पूरी करने की ताकत थी। मैं आज अपने समय से खुश हूं क्योंकि मैं अभी-अभी चोट से वापस आयी हूं। यह साल की मेरी तीसरी रेस थी और मेरी रणनीति धैर्य के साथ बढ़त बनाए रख अंत तक संघर्ष करने की थी।

देश में एक लाख से अधिक एकल-शिक्षक स्कूल 33 लाख से ज्यादा छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं : आंकड़े

नई दिल्ली/भाषा। देश भर में 33 लाख से ज्यादा छात्र एकल-शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूलों में नामांकित हैं और आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे अधिक है, जबकि इनमें से उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक छात्रों का नामांकन है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे थे जिनका संचालन एकल शिक्षक द्वारा किया जाता था, और ऐसे स्कूलों में 33,76,769 छात्र नामांकित थे। यानी, औसतन प्रत्येक स्कूल में करीब 34 छात्र थे। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) पर 30:1 और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) पर 35:1 का छात्र-शिक्षक अनुपात अनिवार्य करता है। देश में सबसे अधिक 'एकल-शिक्षक' वाले स्कूल आंध्र प्रदेश में हैं, इसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। हालांकि, एकल शिक्षक वाले स्कूलों में छात्रों के नामांकन के मामले में उत्तर प्रदेश इस सूची में शीर्ष पर है। उसके बाद झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश का स्थान है। एकल शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या 2022-23 के 1,18,190 से घटकर 2023-24 में 1,10,971 हो गई, जो लगभग छह प्रतिशत की गिरावट है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सरकार स्कूलों के विलय और स्कूलों के एकीकरण, जिसे अक्सर 'स्कूलों का युक्तिकरण' कहा जाता है, के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम संभव उपयोग सुनिश्चित करने पर काम कर रही है। अधिकारी ने कहा, एकल शिक्षक वाले स्कूल शिक्षण प्रक्रिया को बाधित करते हैं और इसलिए शिक्षकों की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए शून्य छात्र नामांकन वाले स्कूलों से एकल शिक्षक वाले स्कूलों में शिक्षकों को फिर से तैनात करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

शासन का मुख्य लक्ष्य सभी नागरिकों तक सेवाओं का लाभ पहुंचाना है : साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को यहां एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हर एक नीति और योजना का लाभ समयबद्ध तथा पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचाना शासन का मुख्य लक्ष्य है। यहां जारी एक सरकारी बयान में कहा गया है कि नवा रायपुर स्थित महानदी भवन (मंत्रालय) में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव विकास शील समेत सभी विभागीय सचिव, संभागीय आयुक्त और कलेक्टर मौजूद रहे।

निर्धारित समय से पहले शुरू हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि शासन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नीति और योजना समय पर एवं पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचे। इसे मात्र एक समीक्षा बैठक नहीं बल्कि सार्वजनिक सेवा के नए मानक स्थापित करने का अवसर बताते हुए साय ने अधिकारियों को आगाह किया कि परिणाम केवल कागजों पर नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर भी दिखाई देने चाहिए। उन्होंने कहा, लोगों के बीच अधिकारियों की मौजूदगी और नागरिकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता उनकी पहचान को परिभाषित करेगी। स्वास्थ्य सेवा पर साई ने कहा कि यह उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 100 प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय निरीक्षण के माध्यम से टीकाकरण की वास्तविक स्थिति की पुष्टि किए जाने पर जोर दिया।

मोदी सरकार आरटीआई कानून को कमजोर कर रही, लोकतंत्र को खोखला कर रही : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम को ''व्यवस्थित रूप से कमजोर'' करने और लोकतंत्र एवं नागरिकों के अधिकारों को ''खोखला'' करने का आरोप लगाया।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 20 साल पहले, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस-नीत संप्रग सरकार ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 को लागू कर पारदर्शिता और जवाबदेही के एक नए युग की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से आरटीआई अधिनियम को कमजोर किया है, जिससे लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकार खोखले हो रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि 2019 में मोदी सरकार ने आरटीआई अधिनियम पर ''कुठाराघात'' किया, सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन पर नियंत्रण कर लिया तथा ''स्वतंत्र निगरानीकर्ताओं को गुलाम पदाधिकारियों में बदल दिया। उन्होंने कहा, केंद्रीय सूचना आयोग मुख्य सूचना आयुक्त के बिना काम कर रहा है- 11 वर्षों में सातवीं बार यह महत्वपूर्ण पद रिक्त पड़ा है। वर्तमान में इसमें आठ रिक्तियाँ हैं, जो 15 महीनों से खाली हैं, जिससे अपील प्रक्रिया ठप हो गई है तथा हजारों लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। खरगे ने दावा किया कि ''कोई डेटा उपलब्ध नहीं है'' जैसा एक भयावह सिद्धांत अब प्रचलित है, जहां सरकार कोविड के दौरान हुई मौतों, एनएसएसओ 2017-18, एसयूएसई 2016-2020, पीएम केयर्स और अन्य मुद्दों की जानकारी पर बंदिश लगाती है, तथा जवाबदेही से बचने के लिए तथ्यों में अस्पष्टता रखती है।

विधायक मुनिरत्नम नायडू को चुनने की आपकी हताशा मैं समझता हूँ : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को आर.आर. नगर के लोगों के साथ उनकी पसंद के विधायक मुनिरत्नम नायडू और विधायक द्वारा निर्वाचन क्षेत्र में पैदा की गई 'नारकीय' स्थिति के लिए सहानुभूति व्यक्त की। जब हम विधायक मुनिरत्नम नायडू के रवैये और व्यवहार को देखते हैं, तो मुझे लगता है कि आप नर्क में रह रहे हैं। मैं ऐसे विधायक को चुनने की आपकी हताशा को समझ सकता हूँ, उपमुख्यमंत्री ने आरआर नगर निर्वाचन क्षेत्र के मत्तीकेरे के जेपी पार्क में 'बेंगलूरु नाडिगे' कार्यक्रम के तहत एक जनसम्पर्क में भाग लेते हुए कहा। विधायक मुनिरत्नम नायडू के समर्थकों द्वारा उनके जनसंवाद कार्यक्रम में बाधा डालने पर नाखुशी जताते हुए उन्होंने कहा, मुनिरत्नम नायडू में धैर्य नहीं है।

दूसरों के कार्यक्रमों में बाधा डालना उनका स्वभाव है। मुझे पता है कि आपको इस बात का दुख है कि आपने ऐसे विधायक को चुना है। समय आने पर उन्हें उचित जवाब दीजिए। उन्होंने कहा, लोगों को तय करना होगा कि वे मुनिरत्नम नायडू जैसे विधायक को अपने साथ रखना चाहते हैं या नहीं। मैं इस बारे में बात नहीं करूँगा। मैं जानता हूँ कि जनप्रतिनिधि को कितना सम्मान दिया जाना चाहिए, लेकिन राजनीति में न तो जीत और न ही हार स्थायी होती है।

प्रियंक ने सरकारी स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर संघ की गतिविधियों पर प्रतिबंध का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से राज्य भर के सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में आरएसएस की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां भारत की एकता और संविधान की भावना के विपरीत हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र, प्रियंक खरगे ने चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक मैदानों पर भी अपनी 'शाखायें' चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों एवं युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं।' मुख्यमंत्री कार्यालय ने रविवार को यह पत्र मीडिया के साथ साझा किया। इसमें मुख्यमंत्री का एक नोट भी संलग्न है जिसमें अधिकारियों से इस पर विचार करने और इस संबंध में उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। प्रियंक ने कहा कि 'संघ की विचारधारा भारत की एकता और धर्मनिरपेक्ष ढांचे के आदर्शों के विपरीत है।'

मंत्री ने लिखा, ''जब लोगों के बीच नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें अपना सिर उठाती हैं, तो हमारा संविधान, जो अखंडता, समानता और एकता के मूल सिद्धांतों पर आधारित है, हमें ऐसे तत्वों पर अंकुश लगाने और राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखने का अधिकार देता है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''पुलिस की अनुमति के बिना, लाठी-डंडे लेकर आक्रामक प्रदर्शन किए जा रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया, इसका बच्चों और युवाओं पर हानिकारक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकता है।

सरकार से कड़े हस्तक्षेप की मांग करते हुए प्रियंक ने कहा, देश के बच्चों, युवाओं, जनता और समग्र समाज की भलाई के लिए, मैं विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूँ कि आरएसएस द्वारा संचालित सभी प्रकार की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, चाहे वे 'शाखा', 'सांघिक' या 'बैठक' के नाम से हों। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबंध सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, सार्वजनिक खेल के मैदानों, पार्कों, मुजराई विभाग के अधीन मंदिरों, पुरातत्व विभाग के अधीन स्थलों और किसी भी अन्य सरकारी परिसर पर लागू होना

चाहिए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान नागरिकों और राज्य दोनों को विभाजन फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार देता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक मूल्य सुरक्षित रहें। यह पत्र ऐसे समय में आया है जब संघ ने अपने शताब्दी समारोह के तहत पूरे वर्ष राज्य भर में बड़े आयोजनों की योजना बनाई है। पत्रकारों से खरगे ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से स्पष्ट अनुरोध किया है कि संघ को सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, खासकर जब वे लाठी लेकर सड़कों पर मार्च करते हुए आपत्तिजनक नारे लगाते हैं।

उन्होंने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, उन्हें निजी स्कूलों या किसी व्यक्ति की संपत्ति में निजी तौर पर ऐसा करने दें। हमें इसमें कोई आपत्ति नहीं है। मंत्री ने आरोप लगाया कि संघ नेता झूठ बोलते हैं और सांप्रदायिकता के ज़हरीले बीज बोते हैं। प्रियंक ने दावा किया कि पिछले 10 सालों में देश ने सिर्फ़ पतन ही देखा है। उन्होंने दावा किया कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी के अपने संबोधन में कहा था कि आर्थिक असमानता बढ़ी है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बेटे यतींद्र सिद्दरामय्या ने प्रियंक के अनुरोध का समर्थन किया। उन्होंने भी कहा कि संघ की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। विधान पार्षद यतींद्र ने रविवार को रायचूर में पत्रकारों से कहा कि सार्वजनिक स्थान पर आयोजित होने वाले किसी भी कार्यक्रम के लिए सरकारी अनुमति लेनी ज़रूरी है, लेकिन संघ के सदस्य बिना किसी पूर्व अनुमति के कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि किसी ने भी संघ से सवाल नहीं किया और न ही उन्हें रोका। वे अब तक ऐसे ही चलते रहे हैं। यतींद्र ने कहा, इसलिए, इस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। वे यूं ही कार्यक्रम आयोजित नहीं करते। वे ज़हरीली विचारधारा के साथ कार्यक्रम आयोजित करते हैं।''

डीके शिवकुमार का जनसंपर्क कार्यक्रम बाधित हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का रविवार को शहर के जेपी पार्क में जनसंपर्क कार्यक्रम भाजपा विधायक मुनिरत्नम और उनके समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के कारण बाधित हुआ। पिछले तीन दिनों से, बेंगलूरु विकास विभाग के प्रभारी डीके शिवकुमार निवासियों से बातचीत करने और उनकी शिकायतें सुनने के लिए 'बेंगलूरु नाडिगे' नामक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं।

अपने अभियान के तहत उपमुख्यमंत्री ने राजराजेश्वरी नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पार्क में सुबह की सैर करने वालों, निवासी कल्याण संघों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाकात की। कार्यक्रम के दौरान, पार्क में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करने के लिए एक मंच भी बनाया गया था। लोगों की बात सुनने के बाद, शिवकुमार कुछ बीबीएमपी अधिकारियों के साथ मंच पर बैठे। मुनिरत्नम, जो काली टोपी सहित आरएसएस की वर्दी पहने भीड़ में मौजूद थे, को मंच पर आमंत्रित किया गया। मंच पर चढ़ते ही मुनिरत्नम ने एंकर से माइक छीन लिया और आरोप लगाया कि यह कार्यक्रम कांग्रेस का कार्यक्रम है। विधायक ने आरोप लगाया, 'यहां जो बैनर लगाया गया है, उस पर इस क्षेत्र के सांसद या विधायक की तस्वीर नहीं है। यह कांग्रेस का कार्यक्रम है, कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं।' विधायक के समर्थकों द्वारा नारेबाजी शुरू करने पर हंगामा मच गया, जिसके बाद वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां से हटा दिया।

इसके बाद विधायक ने एक सरकारी कार्यक्रम में मौजूदा विधायक का 'अपमान' बताते हुए एक ध्वज स्तंभ पर धरना दिया। शिवकुमार ने उपस्थित लोगों से शांत रहने और धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनने का आग्रह किया। कार्यक्रम में व्यवधान डालने के लिए मुनिरत्न को जिम्मेदार ठहराते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'विधायक में धैर्य नहीं था। मुझे नहीं पता कि वे इस जनसभा का अपमान करने आए थे या नहीं।' यह कहते हुए कि हंगामा उन्हें परेशान नहीं करेगा, उन्होंने लोगों से इसे दिल पर न लेने का अनुरोध किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने लोगों से कहा, 'ऐसे लोगों को चुनकर मैं और आप थोड़े परेशान हैं। मैं इस स्थिति से वाकिफ हूं।'

शिवकुमार और मुनिरत्नम साल 2023 से ही आमने-सामने हैं। भाजपा विधायक पहले कांग्रेस में थे। कहा जाता है कि मुनिरत्नम को कांग्रेस में लाने में शिवकुमार की अहम भूमिका थी। उन्होंने धीरे-धीरे कांग्रेस में अपनी पकड़ मजबूत की और विधायक बन गए। मुनिरत्न ने जद (एस) के नेता एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन सरकार को गिराने में अहम भूमिका निभाई थी। गठबंधन सरकार के पतन के बाद, बीएस येडीयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा ने कर्नाटक में सरकार बनाई। बाद में मुनिरत्नम भाजपा में शामिल हो गए और मंत्री बने।

भाजपा ने प्रियंक की कड़ी आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा, (प्रियंक) खरगे मुख्यमंत्री को ऐसा पत्र लिखकर अपनी मूर्खता प्रदर्शित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे सामने ऐसे उदाहरण हैं जहां कांग्रेस ने पहले तीन बार संघ पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया। कांग्रेस के पास संगठन पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है।

विजयेंद्र ने कहा कि ''मंत्री ने यह जानते हुए भी कि वह कुछ नहीं कर सकते, सिर्फ़ 'नौटंकी' करने के लिए ऐसा पत्र लिखा है।'' शिकारीपुरा विधायक ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, शायद, (प्रियंक) खरगे भी मुख्यमंत्री पद पर नज़र गड़ाए हुए हैं। वह गांधी परिवार को खुश करने की कोशिश में हैं। बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में, विजयेंद्र ने कहा, संघ की शाखाओं से युवा और वृद्ध, दोनों द्वारा लगाए जा रहे 'भारत माता की जय' के नारे और कोरस ने उन लोगों को

विचलित कर दिया है जो 'पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे सुनने के आदी हैं!

उन्होंने कहा, वज़ीर-ए-आला (उर्दू में मुख्यमंत्री) कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को, अपने भाइयों द्वारा हमारे राज्य की सीमा पार से बम विस्फोटों की साज़िश रचने से कोई समस्या नहीं है, अब उन्हें संघ की गतिविधियों में अपराध दिखाई दे रहा है - जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत की 'सर्वज्ञ उन्नति' है। विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने बार-बार संघ पर प्रतिबंध लगाने की योजना और षडयंत्र रचे हैं, लेकिन हर बार असफल रही हैं - क्योंकि संघ की राष्ट्रवाद और सामाजिक सुधार की विचारधारा हमेशा कांग्रेस के भयावह, राष्ट्र-विरोधी इरादों पर विजय पाती रही है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने लिखा, टुकड़े-टुकड़े गैंग राज्य में फिर से उभर आया है, जिसे कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने बढ़ावा दिया है। लेकिन मैं उन्हें याद दिला दूं कि कर्नाटक - जिसे हमारे कवि कुवेम्पु ने भारत माता की गौरवान्वित बेटी भारत जननीय तनुजाते के रूप में सराहा है - कभी भी अपनी मातृभूमि के खिलाफ पीठ में छुरा घोंपना बर्दाश्त नहीं करते है। जय भारत! जय कर्नाटक!

वरिष्ठ भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री एस सुरेश कुमार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जो लोग इतिहास नहीं जानते, वे एक बार फिर वही लापरवाही भरा काम करने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अन्य महान नेताओं ने कभी करने की कोशिश की थी और इसमें अपनी उंगलियां जला ली थीं।

आरटीआई अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ

कांग्रेस ने इसके क्षरण के प्रति आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस ने रविवार को सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ के मौके पर इस कानून की रक्षा और मजबूती के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा इसके क्रियान्वयन को आधुनिक भारत के सबसे बड़े लोकतांत्रिक सुधारों में से एक बताया। पार्टी ने आगाह किया कि इस कानून का क्षरण लोकतंत्र का क्षरण होने जैसा है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने एक बयान में कहा कि ऐतिहासिक आरटीआई अधिनियम 12 अक्टूबर 2005 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान अस्तित्व में आया था।

उन्होंने कहा कि यह अधिनियम नागरिकों को सूचना तक पहुंच प्रदान करने, शासन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने और समाज में हाशिये पर मौजूद वर्गों के लिए जीवन रेखा के रूप में काम करने के मामले में मील का पत्थर साबित हुआ। हालांकि, शिवकुमार ने दावा किया कि 2014 के बाद से आरटीआई का लगातार क्षरण हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2019 में किए गए संशोधनों ने केंद्र सरकार को सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और सेवा शर्तों पर नियंत्रण देकर स्वतंत्रता को कमजोर किया और कार्यपालिका के प्रभाव को बढ़ाया।

शिवकुमार ने कहा, आरटीआई आधुनिक भारत के सबसे बड़े लोकतांत्रिक सुधारों में से एक है, जो सरकार को नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनाता है और इसका क्षरण लोकतंत्र के क्षरण के समान है। हालांकि, उन्होंने कहा कि 2023 के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम ने व्यक्तिगत जानकारी के दायरे को व्यापक बना दिया है, जिससे इसे खुलासे से पूर्ण छूट मिल गई है। शिवकुमार ने कहा, महत्वपूर्ण सार्वजनिक डेटा को निजी माने जाने से सार्वजनिक ऑडिट और निगरानी कमजोर होती है।

उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय और राज्य सूचना आयोगों को कमजोर किए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय आयोग में स्वीकृत पदों की संख्या 11 है, लेकिन वहां केवल दो सदस्य तैनात हैं और जून 2024 तक देशभर में 4.05 लाख से अधिक अपीलें एवं शिकायतें लंबित थीं। शिवकुमार ने दावा किया, जब आरटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री के विदेश दौरों या पीएम केयर्स फंड' की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी मांगी गई, तो कोई जवाब नहीं दिया गया।

उन्होंने आरटीआई कार्यकर्ताओं पर हमलों का जिक्र किया, जिसमें शेहला मसूद और सतीश शेट्टी की हत्याएं भी शामिल है। शिवकुमार ने व्हिसल ब्लोअर संरक्षण अधिनियम को लागू न किए जाने की आलोचना की और इसे सरकार द्वारा जानबूझकर किया गया इनकार बताया।

सबरीमला में सोना गायब होने के आरोपों के बाद यूडीएफ ने की मंदिरों की संपत्तियों के ऑडिट की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर से सोना गायब होने के आरोपों के बाद केरल के हिंदू मंदिरों की संपत्ति का व्यापक ऑडिट कराए जाने की रविवार को मांग की। विपक्षी मोर्चे ने कहा कि राज्य के मंदिरों में सोना, चांदी और बड़ी मात्रा में अन्य कीमती चढ़ावा आता है और ऐसे में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

यूडीएफ के संयोजक अदूर प्रकाश ने यहां पत्रकारों से कहा, सभी हिंदू मंदिरों का ऑडिट होना चाहिए और श्रद्धालुओं को इसकी जानकारी देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। यही हमारी मांग है। प्रकाश ने सबरीमला अनियमितताओं के संबंध में राज्य सरकार पर कुछ अधिकारियों को बलि का बकरा बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार और उसके नियंत्रण में त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) दोनों इसके लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, देवस्वओम मंत्री (वी एन वासवन) को इस्तीफा दे देना चाहिए और टीडीबी को भंग कर देना चाहिए।

बिहार से आए प्रवासी मजदूरों के लिए वापस जाकर मतदान करना दूर का सपना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बिहार में नवंबर की शुरुआत में दो चरणों में होने वाले चुनाव में मतदान करना तमिलनाडु में रहने वाले कई प्रवासी मजदूरों के लिए दूर का सपना बना हुआ है। करीब 2,000 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा कर तमिलनाडु में आकर नौकरियां कर रहे इन प्रवासी मजदूरों के लिए छुट्टी लेना लगभग असंभव है। अपना घर-बार छोड़कर कम रुपयों में नौकरियों के लिए तमिलनाडु में बसने वाले लोग भी मतदान के लिए बिहार जाने की नहीं सोच रहे हैं।

निर्माण कार्य में लगे मजदूर अजय कुमार ने कहा, निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले हममें से ज्यादातर लोग निर्माण स्थल पर ही रहते हैं, अपना खाना खुद बनाते हैं और वहीं खाते हैं। हम शायद ही कभी बाहर जाते हैं।

हम छुट्टियों में और कभी-कभी सूर्यास्त के बाद भी काम करते हैं ताकि अपने परिवारों के लिए कुछ अतिरिक्त रुपये कमा सकें। उन्होंने कहा, अगर मैं पटना जाने का फैसला करता हूं, तो मुझे आने-जाने में छह दिन लगेंगे तथा परिवार के साथ बिताने के लिए कुछ और दिन। इसलिए, शायद मैं घर न जा पाऊं।

बिहार के कई परिवार अब तमिलनाडु में अलग-अलग जगहों पर रह रहे हैं, जिनमें से कुछ तो केरल की सीमा से लगे कन्याकुमारी तक भी फैल गए हैं और रबर के दस्ताने बनाने, नारियल के रेशे बनाने, घरेलू काम और अन्य उद्योगों में काम करते हैं। वंचित समुदायों को सशक्त बनाने और असंगठित क्षेत्रों के लिए सहभागी ढांचे के निर्माण में जुटे गैर-सरकारी संगठन 'हील मूवमेंट' के सिलुवाई वस्थियन ने कहा, उन्होंने अपने बच्चों का दाखिला स्थानीय विद्यालयों में कराया है और कुछ प्रवासी मजदूरों ने यहां मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज भी करा लिया है। इसलिए, उनके बिहार में वोट देने की संभावना कम है। ऐसे संगठनों और स्थानीय प्रशासन के हस्तक्षेप के कारण विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत बिहारी प्रवासी परिवारों के बच्चों को श्रम से दूर कर दिया गया है और उन्हें विद्यालयों में दाखिला दिलाया गया है।

ओडिशा के बाद बिहार के प्रवासी श्रमिक तमिलनाडु में अंतरराज्यीय प्रवासी (आईएसएम) श्रमिकों का दूसरा सबसे बड़ा समूह हैं, जिनकी संख्या राज्य में आधिकारिक तौर पर लगभग 2.51 लाख है। बिहार के प्रवासी श्रमिक तमिलनाडु की कुल पंजीकृत अंतरराज्यीय प्रवासी आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो 12.17 लाख से अधिक है।

इस अंतरराज्यीय प्रवासी आबादी में ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, असम और पूर्वोत्तर के श्रमिक भी शामिल हैं।

आधिकारिक अनुमान के अनुसार, तमिलनाडु के 38 जिलों में निर्माण, खनन, खदान, आतिथ्य, विनिर्माण, कपड़ा, खुदरा और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों जैसे क्षेत्रों में लगभग 35 लाख अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिक कार्यरत हैं।

विप्रो एक प्रसिद्ध ट्रेडमार्क: दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/बेंगलूरु। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि विप्रो एक प्रसिद्ध ट्रेडमार्क है। न्यायालय ने कहा कि विप्रो एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड कम से कम 1977 से इस ट्रेडमार्क का लगातार और निर्बाध रूप से उपयोग कर रहा है और इसने काफी साख और प्रतिष्ठा हासिल की है। दरअसल शिवम उद्योग विप्रो वायर मेश ने इस ट्रेडमार्क के पंजीकरण के लिए आवेदन किया था, जिसके खिलाफ विप्रो एंटरप्राइजेज द्वारा दायर एक मुकदमे पर छह अक्टूबर को पारित आदेश में न्यायमूर्ति तेजस करिया ने यह टिप्पणी की।न्यायाधीश ने कहा कि विप्रो 1980 के दशक से विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार कर रही है और उसने विभिन्न श्रेणियों में 'विप्रो' मार्क के लिए कई पंजीकरण हासिल किए हैं, जिनमें 'विप्रो' डिवाइस मार्क का सबसे पहला पंजीकरण 1991 में हुआ था। अदालत ने कहा कि वादी ने अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, इजराइल, फिलीपींस, ब्राजील, कनाडा, मलेशिया, मेक्सिको जैसे विभिन्न देशों में ट्रेडमार्क पंजीकरण हासिल किए हैं। न्यायाधीश ने कहा, ''वादी को ट्रेडमार्क या व्यापार नाम 'विप्रो' के तहत अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के संबंध में विभिन्न मान्यताएं, पुरस्कार और प्रशंसाएं भी मिली हैं।''

जाति-विरोधी कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक स्थानों से जातिगत नाम हटाने के आदेशों की शर्तों पर जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में जी. डी. नायडू फ्लाईओवर नाम रखे जाने को लेकर एक तरफ जहां राजनीतिक नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिल रहा, वहीं दूसरी ओर जाति-विरोधी कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा जारी किये गए आदेश (जीओ) की शर्तों को लेकर चिंता व्यक्त की है।

इस सिलसिले में छह अक्टूबर को एक सरकारी आदेश जारी किया गया था। इसके अनुसार, जाति-आधारित नामों वाले सभी बुनियादी ढांचों की सूची तैयार की जानी चाहिए और 24 अक्टूबर तक हितधारकों के साथ परामर्श के बाद जिला सरकारी राजपत्र में नाम परिवर्तन के संबंध में अधिसूचना प्रकाशित की जानी चाहिए।

लेकिन आदेश में यह भी कहा गया है कि अगर स्थानीय लोगों को नामों पर कोई आपत्ति नहीं है तो नाम बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है।

समानता और न्यायसंगत समाज के निर्माण की दिशा में काम करने वाले जन आंदोलन अरप्पोर इयक्कम के संयोजक जयराम वेंकटेशन ने कहा कि वे लंबे समय से इस तरह की पहल की मांग कर रहे हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता थिरुमुरुगन गांधी ने कहा ने कहा, ''आखिरकार हमें सार्वजनिक स्थानों से जाति के नामों को हटाना ही होगा। उदाहरण के लिए वेल्लोर में सफाई कर्मचारी थोटी कॉलोनी में रहते हैं। इसलिए जैसे ही कोई व्यक्ति कहता है कि वह थोटी कॉलोनी से है उसकी जातिगत पहचान स्थापित हो जाती है। हम इसके खिलाफ लड़ रहे हैं।''

लेखा शिक्षा और अनुसंधान से सशक्त होगा देश : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि लेखा शिक्षा और अनुसंधान एक-दूसरे के पूरक हैं। अनुसंधान के माध्यम से प्राप्त नवीन तथ्यों और ज्ञान को शिक्षा में समाहित करने से शैक्षिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिक्षा संस्थान केवल ज्ञान के केंद्र नहीं, बल्कि वे ऐसे संस्कार मंदिर हैं, जहाँ भावी पीढ़ी में कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और मानवीय मूल्यों का बीजारोपण किया जाता है। राज्यपाल बागड़े ने ये विचार रविवार को भारतीय लेखांकन परिषद उदयपुर शाखा एवं राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय ऑल इंडिया अकाउंटिंग कॉन्फ्रेंस एंड इंटरनेशनल सेमिनार के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए।

राज्यपाल ने कहा कि समय की ऑडिट करना भी आवश्यक है समय का सर्वोत्तम उपयोग ही जीवन की सफलता का आधार बनता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने शब्दों और वाणी को अपनी सबसे बड़ी संपत्ति समझें, क्योंकि उनका प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक होता है। उन्होंने प्राचीन भारतीय चिंतन परंपरा का उल्लेख करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र को रेखांकित किया और कहा कि राजकीय कोष एवं व्यय प्रणाली में पारदर्शिता, राष्ट्रहित और नैतिक मूल्यों को आधार बनाकर लेखा कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विचारों की परिपक्वता, सादगी और सत्य के प्रति साहस ये तीनों गुण मिलकर एक सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। बागड़े ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे लेखांकन और वाणिज्य शिक्षा में पारदर्शिता तथा नवाचार को अपनाएं, और अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखांकन के नए आयामों को राष्ट्र निर्माण से जोड़ें।

'सहकार सदस्यता अभियान' से राज्य में मजबूत हो रहा सहकारिता का नेटवर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में सहकारिता के नेटवर्क को और अधिक व्यापक बनाने में 'सहकार सदस्यता अभियान' महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रहा है। अभियान के अंतर्गत एक ओर जहां ग्राम पंचायतों में बड़ी संख्या में तीव्र गति से नवीन पैक्स का गठन किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर सहकारी समितियों की सदस्य संख्या में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। राज्य में जमीनी स्तर पर पर सहकारिता का नेटवर्क मजबूत होने से अधिक लोगों तक सुचारू रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी।

केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में जारी की गई नवीन 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति' एवं 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के अंतर्गत देश में सहकारिता का दायरा अधिक विस्तृत किये जाने पर विशेष रूप से जोर दिया गया है। राजस्थान इस मामले में देश में अग्रणी भूमिका में है। वर्तमान में राज्य में लगभग 8,700 पैक्स का विशाल नेटवर्क मौजूद है। साथ ही, राज्य की पैक्सविहीन समस्त ग्राम पंचायतों में पैक्स गठन की कार्यवाही तेज गति से जारी है। 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत अब तक पैक्सविहीन 1,520 ग्राम पंचायतों में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है। इस दौरान 1,067 पैक्स हेतु जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित की जा चुकी है जबकि पैक्स गठन हेतु 1060 प्रस्ताव विभाग को प्राप्त हो चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पैक्सविहीन समस्त ग्राम पंचायतों में आगामी दो वर्ष में पैक्स गठन का प्रावधान किया गया था। लेकिन 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत पूरी क्षमता से प्रयास कर इस लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा से पूर्व ही प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व में पैक्स की भूमिका केवल किसानों को ऋण एवं खाद-बीज वितरण तक ही सीमित रहती थी लेकिन अब इन्हें बहुउद्देशीय बनाकर विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं।

सहकारी समितियों के सदस्य अब तक आम तौर पर किसान ही होते थे। लेकिन अब बहुउद्देशीय परिकल्पना के अंतर्गत इन्हें अलग-अलग वर्गों के लिए उपयोगी बनाया जा रहा है। 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत अधिक से अधिक संख्या में युवाओं एवं महिलाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर फोकस किया जा रहा है। अब तक लगभग 5 लाख नये सदस्य बनाये जा चुके हैं। सहकारी समितियों में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से उन्हें स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा, जिससे उनका सशक्तीकरण होगा।

जूली ने हरियाणा के आईपीएस पूरन कुमार की अंत्येष्टि में देरी पर चिंता जताई

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने हरियाणा के आईपीएस अधिकारी पूरण कुमार के अंतिम संस्कार में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की है। भारतीय पुलिस सेवा के इस वरिष्ठ अधिकारी ने कथित तौर पर जातिगत प्रताड़ना के चलते आत्महत्या कर ली थी। जूली ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि पांच दिन बीत जाने के बावजूद जातिगत प्रताड़ना का शिकार होने के कारण आत्महत्या करने के लिए मजबूर हुए हरियाणा के आईपीएस अधिकारी पूरण कुमार का अंतिम संस्कार नहीं हो सका है।

उन्होंने लिखा,यह समझ से परे है कि हरियाणा सरकार एडीजी स्तर के अधिकारी की आत्महत्या के बावजूद जांच होने तक के लिए भी जिम्मेदार अधिकारियों को नहीं हटा रही है। एक दलित उच्चाधिकारी को न्याय दिलाने में विफल रहे हरियाणा के मुख्यमंत्री आखिर किस नैतिक बल के साथ एक साल पूरा होने का जश्न मनाएंगे?

सीकर में दिल दहला देने वाली घटना

महिला ने चार बच्चों के साथ की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार को एक ऐसी दर्दनाक घटना की जानकारी मिली, जिसने पूरे शहर को हिला दिया। पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों में एक महिला और उसके चार मासूम बच्चे शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा तोड़कर जब अंदर प्रवेश किया, तो चारों ओर दुर्गंध और भयावह दृश्य था। पुलिस को फ्लैट में महिला और चार बच्चों के शव मिले। पुलिस की जांच में यह सामने आया कि मृतका का नाम किरण उर्फ पिंकी चौधरी है, जिसने अपने चार बच्चों के साथ जहर खाकर आत्महत्या की। बताया जा रहा है कि महिला का अपने पति से कुछ समय से अनबन चल रही थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यही आत्महत्या की मुख्य वजह मानी जा रही है।

पड़ोसियों की मानें तो, यह परिवार पिछले कई दिनों से घर के बाहर दिखाई नहीं दे रहा था। जब फ्लैट से दुर्गंध आने लगी, तो बिल्डिंग में रहने वाले अन्य लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर जब पुलिस पहुंची और दरवाजा खोला, तो अंदर सभी के शव मिले।

सीकर ग्रामीण सीओ सुरेश शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि हमें अनिरुद्ध रेजिडेंसी से सूचना मिली कि एक फ्लैट से बदबू आ रही है। दरवाजा लंबे समय से बंद था। जब टीम मौके पर पहुंची, तो अंदर महिला और चार बच्चों के शव मिले। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और जांच जारी है। फ्लैट के अंदर फैली दुर्गंध के कारण पुलिस को अंदर प्रवेश करने में भी कठिनाई हुई। टीम ने इत्र और अगरबत्ती का प्रयोग कर कमरे में प्रवेश किया।

स्वास्थ्य सेवाओं में राजस्थान रच रहा कीर्तिमान : गजेन्द्र सिंह खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में राजस्थान स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इसी कड़ी में राजस्थान ने पेलिएटिव केयर सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं बेस्ट प्रेक्टिसेज के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के लिए राजस्थान को शनिवार को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। प्रदेश की ओर से राज्य नोडल अधिकारी डॉ. निर्मला शर्मा ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इस उपलब्धि के लिए विभागीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि राजस्थान स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश में मॉडल स्टेट के रूप में उभर रहा है। विगत समय में बेस्ट प्रेक्टिसेज एवं नवाचारों से स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुगम हुई हैं और स्वास्थ्य मानक भी बेहतर हुए हैं। आने वाले समय में हम स्वास्थ्य सेवाओं को एक नए पायदान पर ले जाएंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए लगातार नवाचार कर रहा है। विभाग का प्रयास है कि नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं दुर्गम स्थानों तक भी सुलभता से पहुंचे और स्वास्थ्य के मानक अपेक्षाकृत और बेहतर हों।

इसी दिशा में पेलिएटिव केयर में कई बेस्ट प्रेक्टिसेज को अपनाया गया है। इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। इन बेस्ट प्रेक्टिसेज के लिए ही राजस्थान को देशभर में तीसरा स्थान मिला है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने बताया कि होम बेस्ड पेलिएटिव केयर के अन्तर्गत राजस्थान में रेगिस्तानी क्षेत्र, दुर्गम व दूरस्थ क्षेत्रों में प्रभावी सेवाएं दी जा रही हैं। असाध्य रोगों से ग्रसित मरीजों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर शारीरिक व मानसिक समस्याओं का निदान किया जा रहा है। इसके तहत उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ सामाजिक व आध्यात्मिक परिदृश्य के अनुसार माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नर्सिंग ऑफिसर, फिजियोथैरेपिस्ट, आशा, एएनएम व सीएचओ के द्वारा होम बेस्ड पेलिएटिव केयर की सर्विसेज समस्त जिलों में दी जा रही है। भविष्य में इन सेवाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

नकली दवाओं से बच्चों की जान खतरे में, डॉक्टर की सलाह के बिना दवाइयां न लें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से नकली और घटिया दवाओं का बाजार गर्म है, जहां मेडिकल स्टोर्स पर बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयां बेची जा रही हैं। यह सेल्फ-मेडिकेशन की आदत बच्चों और आमजन के लिए जानलेवा साबित हो रही है। हालिया जांचों से पता चला है कि एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और कफ सिरप जैसी दवाएं गुणवत्ता में फेल हैं, लेकिन सुस्ती के चलते हजारों यूनिट्स बिक चुकीं। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं: डॉक्टर की बिना सलाह ना लें मेडिकल स्टोर से दवाईया, क्योंकि इससे एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस, एलर्जी, किडनी-लीवर डैमेज और मौत का खतरा बढ़ जाता है।

बच्चों पर सबसे ज्यादा असरभारत में सेल्फ-मेडिकेशन की दर ऊंची है, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां डॉक्टर दूर हैं। जोधपुर और राजस्थान के अन्य जिलों में नकली एंटीबायोटिक्स (जैसे अमॉक्सिसिलिन, सिप्रोफ्लॉक्सासिन) और पेनकिलर्स बिना प्रिस्क्रिप्शन के बिक रहे हैं, जो बच्चों के इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देते हैं। हाल ही में कफ सिरप से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बच्चों की मौतें हुईं, और राजस्थान में भी ऐसे केस रिपोर्ट हुए जहां घटिया दवाओं से ऐंठन, सांस की तकलीफ और मौत हुई।

बच्चों में सेल्फ-मेडिकेशन से एडवर्स इफेक्ट्स, ट्रीटमेंट फेलियर और एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस का रिस्क ज्यादा है, क्योंकि उनका शरीर दवाओं को अलग तरीके से रिएक्ट करता है। फार्मासिस्ट और परिवार की सलाह पर दवाएं लेना आम है, लेकिन यह गलत डोज या नकली दवा से स्वास्थ्य बिगाड़ सकता है। विभाग की लापरवाही और कार्रवाई की मांग राजस्थान ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने 65 कंपनियों की जांच शुरू की है, एक अधिकारी सस्पेंड हुआ, लेकिन जांच में देरी से दवाएं बाजार में पहुंच गईं। विशेषज्ञ कहते हैं कि जागरूकता अभियान चलाएं, ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल क्लीनिक बढ़ाएं और दवाएं खरीदते वक्त कैश मेमो लें। यदि कोई साइड इफेक्ट हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और स्वास्थ्य विभाग को रिपोर्ट करें।यह चेतावनी है: डॉक्टर की सलाह के बिना दवाइयां न लें, खासकर बच्चों के लिए।

फैशन शो

जयपुर में 'शादियां' फैशन शो के छठे संस्करण के दौरान 2026 ब्राइडल वियर लाइटवेट ज्वेलरी कलेक्शन को प्रदर्शित करते हुए मॉडल रैंप पर चलती हुई।

सतीश पूनिया की पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' का लोकार्पण

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया की विधायक कार्यकाल पर आधारित पुस्तक अग्निपथ नहीं जनपथ (संवाद से संघर्ष तक) का लोकार्पण और कृति चर्चा को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित कई नेता और अन्य लोग उपस्थित रहे। यह आयोजन राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर एवं वेरा प्रकाशन, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। सभी वक्ताओं ने लोकतंत्र में कम होते सत्ता और विपक्ष के संवाद और सौहार्द पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन जनहित में सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि अग्निपथ पर चलकर जो कुंदन की तरह तपता है, वहीं जनपथ तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री मोदी भी अग्निपथ पर चलकर शीर्ष तक पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता प्रतिपक्ष के रूप में गुलाबचंद कटारिया सुबह 9 बजे से विधानसभा में बैठ जाते थे। ऐसी गंभीरता मैंने केवल भैरोसिंह शेखावत और कटारिया में देखी है। पूनिया मुद्दों को पकड़ना और उन्हें राष्ट्रीय विमर्श बनाना जानते हैं। व्यंग्य भरे अंदाज़ में राठौड़ बोले कि सांप-सीढ़ी के खेल में मुझे और पूनिया को 99 पर सांप ने डंसा। अब मैंने आलेख लिखना शुरू किया है, पूनिया और कटारिया उसके विमोचन पर जरूर आएं।

डोटासरा-जूली ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना : आरटीआई को कमजोर करने के लगाए आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राइट टू इनफार्मेशन कानून पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर आरटीआई कानून को कमजोर करने का आरोप लगाया। डोटासरा और जूली ने पीसीसी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राइट टू इनफार्मेशन कानून जिस उद्देश्य के साथ लाया गया था, वो उद्देश्य अब पूरा नहीं हो रहा है। यह चिंता का विषय है, क्योंकि 2014 में जब से एनडीए सरकार सत्ता में आई है, तब से ही आरटीआई कानून पर हमले हो रहे हैं और उसको कमजोर करने की दिशा में काम चल रहा है।

डोटासरा ने कहा कि 2019 में इस कानून में संशोधन किया गया और उसके बाद 2023 में डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटक्शन अधिनियम बनाकर निजी जानकारी देने से इनकार कर दिया। इस संशोधन की आड़ में गोपनीय जानकारी को नहीं दिया जा रहा है,जो भ्रष्टाचार को रोकने या आम व्यक्ति के लिए जरूरी है। जनहित में कोई भी जानकारी उजागर होनी चाहिए, लेकिन इस सरकार ने संशोधन कर के उसे कमजोर कर दिया है। आरटीआई के जरिए विधायक-सांसद कोष की राशि, मनरेगा और कई अन्य योजनाओं की जानकारी आम आदमी को भी मिल जाती थी, लेकिन इस सरकार ने उसे कमजोर किया है। केंद्रीय सूचना आयोग को भी कमजोर किया जा रहा है। डोटासरा ने व्हीसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी कोई पालना नहीं हुई है। आरटीआई करने वाले कार्यकर्ता को जेल में डाल दिया जाता है, ईडी, इनकम टैक्स सीबीआई के छापे मारकर उन्हें डराया आता है। उन्होंने मांग की है कि 2019 का संशोधन वापस होना चाहिए। वहीं अंता उपचुनाव में अभी तक भी भाजपा प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं होने को लेकर डोटासरा ने कहा कि भाजपा के पास प्रत्याशी नहीं है। भाजपा के पास कोई मजबूत चेहरा नहीं है, मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष उनसे मिलने जाते हैं, लेकिन वे नाम नहीं बताती हैं। उपचुनाव में हमारी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी और चुनाव में जीत दर्ज करेंगे।

जूली ने आरटीआई क़ानून को लोकतंत्र की रीढ़ बताते हुए कहा कि हमारी सरकार ने आरटीआई कानून पारदर्शिता के लिए लेकर आई थी, ताकि सरकारी योजना का पैसा कहां खर्च हो रहा है। इसका हिसाब जनता को मिले, राजस्थान में सबसे पहले आरटीआई की शुरुआत हुई फिर यूपीए सरकार ने इस देशव्यापी बनाया, पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के प्रयासों से यह कानून अस्तित्व में आया। भाजपा सरकार आरटीआई को कमजोर करने की साजिश कर रही है। उन्होंने हालिया विधानसभा में हिडन कैमरों की जानकारी आरटीआई से मिलने का उदाहरण दिया।

समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक उत्थान में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका : संजय शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने रविवार को अलवर जिला ब्राह्मण महासभा द्वारा ब्राह्मण छात्रावास में आयोजित भामाशाह एवं विप्र गौरव सम्मान समारोह 2025 में शिरकत कर भामाशाह एवं समाज के उत्थान के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले करीब 101 लोगों को सम्मानित किया। शर्मा ने समाज सेवा, शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्रा में समाज की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक उत्थान में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए भामाशाहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए भामाशाहों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि बालकों की शिक्षा के साथ ही बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को ऐसे आयोजनों से प्रेरणा लेकर सामाजिक उत्तरदायित्व में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।वन राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में प्रदेश में प्रारम्भ किए गए हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विगत वर्ष साढे सात करोड़ पौधे लगाकर फोटो सहित माई भारत पोर्टल पर अपलोड किए गए तथा इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य को अर्जित किए।

चिदंबरम ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के बारे में कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के बारे में पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास में यह सच्चाई दर्ज होनी चाहिए कि यह (ऑपरेशन) राष्ट्र की आवश्यकता की वजह से नहीं बल्कि इंदिरा गांधी के ''राजनीतिक दुस्साहस'' के कारण चलाया गया था।

भाजपा ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस अब ''सच बोलने और झूठे विमर्श को उजागर करने के लिए चिदंबरम के खिलाफ कार्रवाई करेगी? दरअसल चिदंबरम ने हिमाचल प्रदेश के कसौली में एक साहित्यिक कार्यक्रम में कहा था कि जून 1984 में स्वर्ण मंदिर में छिपे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए चलाया गया 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' सही तरीका नहीं था और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा, सभी आतंकवादियों को पकड़ने का कोई और तरीका हो सकता था, लेकिन 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' गलत तरीका था और मैं इस बात से सहमत हूं कि श्रीमती गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। यह सेना, खुफिया विभाग, पुलिस और नागरिक सुरक्षा एजेंसियों का संयुक्त निर्णय था तथा आप पूरी तरह से श्रीमती गांधी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' दमदमी टकसाल के नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले और आतंकवादियों को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से खदेड़ने के लिए चलाया गया सैन्य अभियान था। बाद में 31 अक्टूबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या कर दी गई थी। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने पूर्व गृह मंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, चिदंबरम जी ने कांग्रेस की गलतियों को बहुत देर से स्वीकार किया है! मंत्री ने कहा, पहले उन्होंने (चिदंबरम) खुलासा किया था कि अमेरिका और विदेशी ताकतों के भारी दबाव के कारण भारत मुंबई में हुए पाकिस्तानी आतंकवादी हमलों का जवाब नहीं दे सका, अब वह स्वीकार कर रहे हैं कि स्वर्ण मंदिर में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' भी एक गलती थी। चिदंबरम की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर पी सिंह ने कांग्रेस की आलोचना की।

अविरल-निर्मल गोमती के लिए योगी ने की 'गोमती पुनर्जीवन मिशन' की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'स्वच्छ, अविरल और निर्मल गोमती' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 'गोमती नदी पुनर्जीवन मिशन' की घोषणा की है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत से गाजीपुर तक प्रवाहित गोमती केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत और जीवनधारा की प्रतीक है। बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोमती का पुनर्जीवन केवल जल शुद्धिकरण का नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और पर्यावरण के पुनर्संवर्धन का व्यापक अभियान है। यह मिशन पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी साझा प्रतिज्ञा का प्रतीक बनेगा।

टेरिटोरियल आर्मी की पहल पर आयोजित एक बैठक में मेजर जनरल सलिल सेठ, ब्रिगेडियर नवतेज सिंह सोहल, ब्रिगेडियर सी. माधवाल, कर्नल अरविन्द एस. प्रसाद, ले. कर्नल सचिन राणा, ले.कर्नल सौरभ मेहरोत्रा, मेजर के.एस. नेगी, प्रो. (डॉ.) वेंकटेश दत्ता, ले. कर्नल हेम लोहुमी, एस.एम. (सेवानिवृत्त) के साथ-साथ शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही।

बैठक में मुख्यमंत्री ने मिशन की विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक परियोजना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से चलने वाली एक जन-आंदोलनात्मक पहल होगी। उन्होंने कहा कि गोमती में एक भी बूंद सीवरेज न गिरे, इसके लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि नदी किनारे बसी अवैध बस्तियों में घुसपैठियों की पहचान कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए, ताकि गोमती के तटों पर स्वच्छता और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने कहा कि मिशन का दायरा पीलीभीत से गाजीपुर तक गोमती नदी के संपूर्ण प्रवाह क्षेत्र को कवर करेगा, जिससे गोमती अपने पूरे विस्तार में स्वच्छ, अविरल और निर्मल रूप पुनः प्राप्त कर सके।

झारखंड में माओवादियों ने मोबाइल टावर में आग लगाई

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की ओर से आयोजित किए जा रहे 'प्रतिरोध सप्ताह' के बीच, माओवादियों ने रविवार तड़के झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक निजी दूरसंचार कंपनी के मोबाइल टावर को आग लगा दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपाधीक्षक (मनोहरपुर) जयदीप लाकड़ा ने बताया कि माओवादियों का एक समूह मध्य रात्रि के बाद मनोहरपुर ब्लॉक के मीना बाजार इलाके में आया और मोबाइल टावर में आग लगाने से पहले दूरसंचार कंपनी के कर्मचारियों को भगा दिया।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद सशस्त्र पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान मौके पर पहुंचे और बड़े पैमाने पर माओवादी विरोधी अभियान शुरू किया।

बीएसएफ ने तस्कर को पकड़ा, 2.82 करोड़ रुपए के सोने के बिस्कुट बरामद

कोलकाता/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक तस्कर को पकड़ा और उसके कब्जे से 20 किलोग्राम सोने के बिस्कुट जब्त किए। अर्धसैनिक बल द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि होरंदीपुर सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ की 32वीं बटालियन को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली कि सीमा के पास मुस्लिमपारा गांव का एक भारतीय नागरिक बांग्लादेश से लाए गए अवैध सोने की तस्करी होरंदीपुर इलाके से करने योजना बना रहा है। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात जवानों को सतर्क कर दिया गया। इसमें बताया गया कि शनिवार सुबह करीब छह बजे बीएसएफ जवानों ने बांस के घने जंगल के पीछे एक व्यक्ति को घूमते देखा।

असम सरकार ने युवाओं के लिए विदेशी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

गुवाहाटी/भाषा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को असम सरकार की एक पहल की शुरुआत की, जिसके तहत राज्य के युवाओं को विदेशी भाषा कौशल में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस पहल के तहत, पहले समूह को जापानी भाषा सीखने का अवसर मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि 'वैश्विक मानव प्रतिभा के लिए मुख्यमंत्री विदेशी भाषा पहल' राज्य के युवाओं को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रोजगार के अवसर खोजने में सक्षम बनाएगी। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह योजना असम के युवाओं को विदेशी भाषा कौशल से सशक्त बनाएगी और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए वैश्विक कार्य अवसरों के द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि पहले चरण में, 180 युवाओं को सांस्कृतिक प्रशिक्षण, नौकरी में सहायता और वित्तीय सहायता के साथ-साथ जापानी भाषा का प्रशिक्षण भी मिलेगा। शर्मा ने कहा कि यह पहल ''विभिन्न क्षेत्रों में भारत-जापान के बीच मजबूत सहयोग को और गहरा करेगी तथा असम और जापान के लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देगी। उन्होंने यह भी कहा कि पाठ्यक्रम की लागत में काफी कमी की गई है, तथा असम सरकार और जापान सरकार ने खर्च का बड़ा हिस्सा वहन किया है।

छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को नियमों का पालन करना चाहिए : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं, खासतौर पर राज्य के बाहर की छात्राओं को छात्रावास के नियमों का पालन करना चाहिए और देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए।

ममता ने यह बयान दुर्गापुर स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ शुक्रवार रात सामूहिक बलात्कार की कथित घटना के बाद दिया। छात्रा ओडिशा की रहने वाली है और कथित घटना तब हुई, जब वह अपने एक मित्र के साथ रात्रि भोज के लिए बाहर गई थी। ममता ने कहा, छात्रावास में रहने वाले छात्रों, खासतौर पर जो बाहर से पश्चिम बंगाल में पढ़ाई करने आए हैं, उनसे छात्रावास के नियमों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, उन्हें जहां चाहे वहां जाने का मौलिक अधिकार है, लेकिन उन्हें देर रात बाहर निकलने से बचना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस हर व्यक्ति की आवाजाही पर नजर नहीं रख सकती। अधिकारियों को नहीं पता होता कि रात में कौन घर से निकल रहा है और वे हर घर के बाहर पहरा नहीं दे सकते।

ममता ने राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के लिए प्राकृतिक आपदा प्रभावित उत्तर बंगाल रवाना होने से पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने इस घटना को ''स्तब्ध करने वाली'' करार दिया और कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

पर्यटन क्षेत्र के सालाना 25% से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि पर्यटन क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 लाख करोड़ रुपए का योगदान देता है और इसके सालाना 25 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने शनिवार को मध्य प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित 'एमपी ट्रैवल मार्ट' को संबोधित करते हुए कहा कि इस बदलाव के मूल में यह विश्वास निहित है कि पर्यटन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है, न कि एक सहायक उद्योग।

शेखावत ने कहा, पर्यटन अब हमारे राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 20 लाख करोड़ रुपए से अधिक का योगदान देता है। यह 8.4 करोड़ से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने कहा, भारत में पिछले साल 2.20 करोड़ पर्यटक आए और घरेलू यात्रियों ने 2.94 अरब यात्राएं कीं। भारत में पर्यटन क्षेत्र के सालाना 25 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि ये आंकड़े एक सशक्तीकरण की कहानी बयां करते हैं। उन्होंने कहा, कारीगरों को नए बाजार मिल रहे हैं, परिवार होम-स्टे चला रहे हैं, महिला उद्यमी इको-रिट्रीट बना रही हैं, स्थानीय युवा आत्मविश्वासी गाइड और मेजबान बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस बदलाव के मूल में यह विश्वास है कि पर्यटन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है, न कि कोई सहायक उद्योग, और राजमार्गों, हवाई अड्डों, अंतर्देशीय जलमार्गों और डिजिटल बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व निवेश ने देश भर में यात्रा को सुगम बनाया है।

मुख्यमंत्री योगी एक घुसपैठिये हैं, उत्तराखंड वापस भेजा जाना चाहिए : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना घुसपैठिए से करते हुए कहा कि वह उत्तराखंड से हैं और उन्हें राज्य वापस भेज दिया जाना चाहिए।

यादव ने समाजवाद के प्रणेता राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को लखनऊ के लोहिया पार्क में संवाददाताओं से कहा कि भाजपा के पास झूठे आंकड़े हैं। उन्होंने कहा, अगर उनके आंकड़ों पर भरोसा किया जाए, तो आदमी भटक जाएगा। यादव ने दावा किया, जो लोग पलायन के आंकड़े दे रहे हैं... हमारे उत्तर प्रदेश में भी घुसपैठिए हैं। मुख्यमंत्री उत्तराखंड से हैं। हम चाहते हैं कि उन्हें उत्तराखंड भेजा जाए। वह अकेले घुसपैठिए नहीं हैं, बल्कि विचारधारा के लिहाज से भी घुसपैठिए हैं। वह (आदित्यनाथ) भाजपा के सदस्य नहीं थे, बल्कि किसी और पार्टी के सदस्य थे। तो, इन घुसपैठियों को कब हटाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह दावा किया था कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक की तरह मानते हैं।

'इंडि' गठबंधन में सीट बंटवारे पर अनिश्चितता बरकरार, दिल्ली रवाना हुए लालू और तेजस्वी

पटना/भाषा। बिहार में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि) गठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर अनिश्चितता कुछ और समय जारी रहने की संभावना है तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद अपने पुत्र तेजस्वी यादव के साथ रविवार को दिल्ली रवाना हो गए। पार्टी ने हाल में प्रसाद को सीट वितरण और उम्मीदवार चयन पर अंतिम निर्णय लेने का ''अधिकार'' दिया था। बिहार में ''महागठबंधन'' के रूप में जाने जाने वाले गठबंधन में राजद का दबदबा है। इस ''महागठबंधन'' में कांग्रेस और वाम दल भी शामिल हैं। बाद में यही गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' नाम से जाना जाने लगा। रविवार सुबह जब पिता-पुत्र और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अपने आवास से रवाना हुए तो वहां मौजूद पार्टी के टिकट दावेदारों में निराशा फैल गई जिन्हें उम्मीद थी कि नेता उनकी बात सुनेंगे। सुरक्षाकर्मियों को 10, सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के आवास से उन्हें हटाने में खासी मशक्कत करनी पड़ी।

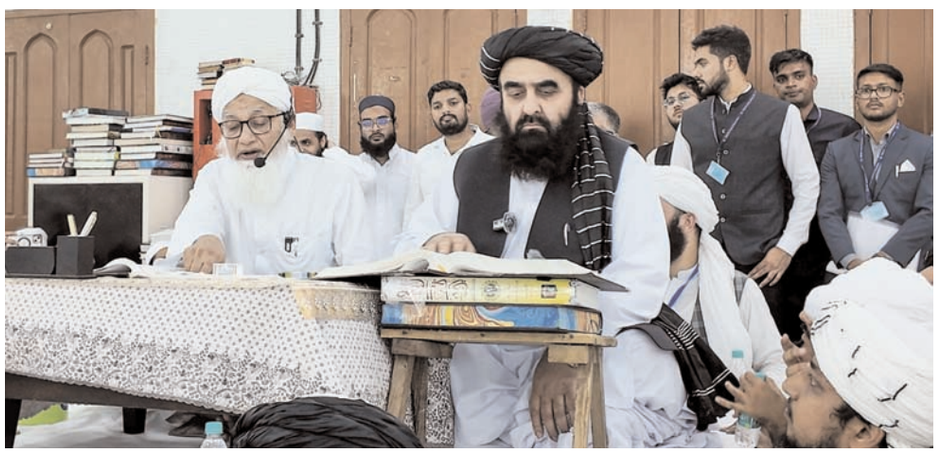

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का आगरा दौरा रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर मुत्तकी का रविवार को होने वाला आगरा दौरा रद्द हो गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री रविवार को ताजमहल का दीदार करने के लिए आने वाले थे लेकिन किन्हीं कारणों से उनकी ये यात्रा रद्द हो गई है। उन्होंने बताया कि तय कार्यक्रम के मुताबिक मुत्तकी को रविवार को अपराह्न 11 बजे ताजमहल पहुंचना था और एक घंटे ताजमहल का दीदार करने के बाद उन्हें आगरा में ही दोपहर का भोजन करने के बाद वापस दिल्ली रवाना होना था। मुत्तकी का आगरा में ताजमहल का दौरा क्यों रद्द हुआ, इसकी वजह पता नहीं चला पायी है। जिला प्रशासन के प्रोटोकॉल विभाग ने मुत्तकी के आगरा कार्यक्रम के रद्द होने की पुष्टि की है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्तकी शनिवार को सहारनपुर के देवबंद स्थित मदरसा दारुल उलूम पहुंचे थे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया था।

मुत्तकी बृहस्पतिवार को छह दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी के सत्ता से हटने और तालिबान के सत्ता अपने हाथ में लेने के चार साल बाद तालिबान सरकार के किसी नेता की भारत की यह पहली उच्च-स्तरीय यात्रा है। भारत ने अब तक तालिबान को मान्यता नहीं दी है। मुत्तकी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली से सड़क मार्ग से देवबंद पहुंचे, जो दक्षिण एशिया के सबसे प्रभावशाली इस्लामी मदरसों में से एक है। दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम (कुलपति) अबुल कासिम नोमानी, जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और दारुल उलूम के पदाधिकारियों ने दारुल उलूम देवबंद में अफगान विदेश मंत्री का स्वागत किया।

मुत्तकी के आगमन से पहले खुफिया एजेंसियों, सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने देवबंद में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अफगान विदेश मंत्री की भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अफगानिस्तान दोनों के पाकिस्तान के साथ सीमा पार आतंकवाद सहित कई मुद्दों को लेकर तनावपूर्ण संबंध हैं।

प. बंगाल नगर पालिका भर्ती घोटाला: ईडी ने 45 लाख रुपए की नकदी एवं दस्तावेज जब्त किए

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में दक्षिण दमदम नगर पालिका में भर्ती में कथित अनियमितताओं के संबंध में की गई छापेमारी के दौरान 45 लाख रुपए अघोषित नकद राशि, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। एजेंसी ने एक बयान में यह जानकारी दी।

एजेंसी के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने घोटाले की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के अग्निशमन मंत्री सुजीत बोस के आवास और कंपनियों सहित कोलकाता और उसके आसपास 13 स्थानों पर शुक्रवार को छापे मारे थे।

भाजपा से सीटें नहीं मिलीं तो अकेले लड़ेंगे बिहार विधानसभा चुनाव : सुभासपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में शामिल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने रविवार को कहा कि यदि भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सीट नहीं दीं तो वह अकेले चुनाव लड़ेगी।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अरविंद राजभर ने बताया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की तरफ से सुभासपा को पांच सीटों पर चुनाव लड़ने की पेशकश की गई है।

राजभर ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी बिहार में विधानसभा चुनाव निश्चित रूप से लड़ेगी। भाजपा से बात नहीं बनी तो अकेले चुनाव मैदान में उतरेंगे।

राजभर ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने रविवार को उन्हें फोन करके उनसे दल के बिहार में प्रभाव को लेकर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नड्डा को जानकारी दी है कि दल का बिहार के 32 जिलों में प्रभाव है, इसलिए एक वर्ष में पार्टी ने 65 विधानसभा क्षेत्रों में रैलियां की हैं।

राजभर ने बताया कि सुभासपा ने बिहार में चुनाव लड़ने के लिए भाजपा नेतृत्व को 29 सीट की सूची सौंपी है, सूची में से भाजपा जो सीट उन्हें देना चाहती है दे दे, इसमें से वह किसी भी सीट पर चुनाव लड़ने को तैयार हैं।

उनकी मांग है कि उनके दल को पांच सीट दी जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर भाजपा गठबन्धन के तहत उनके दल को सीट नहीं देती है तो पार्टी अकेले बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

राजभर ने बताया कि राजद की बिहार इकाई के प्रमुख ने शनिवार को सुभासपा के बिहार चुनाव प्रभारी से मुलाकात की और उनसे बात की। रविवार को उन्हें राजद नेतृत्व से भी फोन आया, जिसमें विधानसभा चुनाव में पांच सीटों पर साथ मिलकर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया गया।

झारखंड: रांची में सामूहिक दुष्कर्म के मामले में चार लोग गिरफ्तार

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिले में एक युवती से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। रांची जिले के तमाड़ इलाके में 30 सितंबर को 19 वर्षीय युवती से सात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया था। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने सात अक्टूबर को तमाड़ थाने में शिकायत दर्ज कराई और आठ अक्टूबर को उसकी मेडिकल जांच करायी गई। बुंडू के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) ओम प्रकाश ने बताया, सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 10 आरोपियों की पहचान कर ली गई है। शनिवार को पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और दो नाबालिगों को भी हिरासत में ले लिया। सभी तमाड़ के रहने वाले हैं। पुलिस बाकी चार आरोपियों को पकड़ने के लिए कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। युवती ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके चचेरे भाई ने जानबूझकर उसे फंसाया, जिसके कारण यह घटना घटी।

मंधाना ने एक साल में 1,000 रन बनाकर इतिहास रचा, वनडे में 5,000 का आंकड़ा पार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्व कप ग्रुप मैच के दौरान महिला वनडे में एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं।

उनतीस साल की इस सलामी बल्लेबाज ने महिला वनडे में 5,000 रन भी पूरे किए और मिताली राज के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली केवल पांचवीं और दूसरी भारतीय बल्लेबाज बन गईं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं और उन्होंने सबसे कम पारियों में 1,000 रन बनाए। मंधाना ने 112 पारियों और 5,569 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की जिससे उन्होंने स्टेफनी टेलर की 129 पारियों और सूजी बेट्स की 6,182 गेंदों की संख्या को पीछे छोड़ दिया। मंधाना ने हालांकि टूर्नामेंट में धीमी शुरुआत की लेकिन इस बाएं हाथ की बल्लेबाज ने शानदार वापसी करते हुए 66 गेंद में 80 रन (नौ चौके और तीन छक्के) बनाकर फॉर्म में वापसी की और प्रतिका रावल के साथ 155 रन की साझेदारी की जो इस प्रतियोगिता में सलामी बल्लेबाजों के बीच पहली शतकीय साझेदारी भी थी। इस मैच से पहले मंधाना के 17 मैच में 982 रन थे। उन्होंने आठवें ओवर में 1,000 रन का आंकड़ा छुआ जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनू की धज्जियां उड़ाते हुए इस ओवर में चौका, छक्का और चौका जड़ा जिससे 16 रन बने। मंधाना ने इस तरह महिला वनडे में ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क (1997 में 970 रन) का एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत सकारात्मक तरीके से की और किम गार्थ के पहले ओवर की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर खाता खोला। लेकिन मोलिनू के ओवर में मंधाना ने पहली गेंद को मिड-ऑन के ऊपर से चौका जड़ा, अगली गेंद को डिफेंड किया, फिर तीसरी गेंद पर लांग-ऑन के ऊपर से छक्का जड़ा और फिर स्क्वायर लेग के ऊपर से एक और चौका लगाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

सुविचार

जहाँ चिकित्सा की कला को प्यार किया जाता है, वहाँ मानवता के लिए भी प्यार होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश में 'झूठ की दुकान'

अगर झूठ पर लीपापोती कर उसे सच की शक्ल में पेश करने के बदले कोई पुरस्कार मिलता तो बांग्लादेश के 'मुख्य सलाहकार' मोहम्मद यूनुस उसके दूसरे सबसे बड़े हकदार होते। पहला नंबर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का होता। उन्होंने नोबेल पुरस्कार पाने की लालसा में भारत-पाक संघर्ष रुकवाने के झूठे दावे किए थे। वे एक ही झूठ को बार-बार दोहराते रहे, ताकि वह सच लगने लगे और लोग भ्रमित हो जाएं। अब यूनुस ने मोर्चा संभाल लिया है। वे यह कहकर ट्रंप को पछाड़ना चाहते हैं कि 'बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कोई हिंसा नहीं हुई और भारत फर्जी खबरें फैला रहा है!' यहां बड़ा फर्क यह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए बहुत पांव पटके थे, वे नाकाम रहे, जबकि मोहम्मद यूनुस को साल 2006 में ही यह पुरस्कार मिल गया था। उनके 'मुख्य सलाहकार' बनने के बाद किए गए कारनामे देखकर नोबेल पुरस्कार समिति के सदस्यों ने भी अपने माथे पीट लिए होंगे। यूनुस ने अपनी पूरी ऊर्जा राजनीतिक प्रतिशोध लेने और भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने में ही खर्च कर दी। उनके राज में अल्पसंख्यकों की जो हालत हुई, वह किसी से छिपी हुई नहीं है। यूनुस पूरी तरह कागजी शेर साबित हुए हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर पहले भी अत्याचार होते थे। खासकर दुर्गापूजा के दौरान कट्टरपंथी ऐसा कांड जरूर करते थे, जिससे वे अपने ही देशवासियों को सता सकें। यूनुस से आशा थी कि वे कट्टरपंथियों और उपद्रवियों को नकेल डालेंगे, लेकिन वे भारत पर ही तोहमत लगा रहे हैं।

बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों के घरों, प्रतिष्ठानों और पूजन स्थलों पर जो हमले हुए थे, उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर मिल जाएंगे। यूनुस उन्हें देख सकते हैं। एक नवंबर, 2024 को चटग्राम में लगभग 30,000 हिंदुओं ने रैली क्यों निकाली थी? क्या इतने सारे लोग एकसाथ सैर-सपाटा करने निकले थे? यूनुस को मालूम होना चाहिए कि वे लोग अपने लिए सुरक्षा चाहते थे, जो सरकार नहीं दे पाई। दुर्भाग्य की बात है कि जिस समाज ने बांग्लादेश की आज़ादी के लिए इतने बलिदान दिए, उसे अपने ही देश में सुरक्षा की मांग करनी पड़ रही है! यह नौबत क्यों आई? यूनुस अपनी कमजोरियों और कोताहियों का ठीकरा किसी और के सिर पर क्यों फोड़ना चाहते हैं? उन्होंने यह कहकर कि 'अभी भारत की एक खासियत है झूठी खबरें फैलाना ... झूठी खबरों की बारिश हो रही है', अपनी नाकामी का एक और सबूत पेश किया है। अगर भारत झूठी खबरें फैला रहा है तो आप सच्ची खबरें क्यों नहीं फैलाते? बेशक बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है, लेकिन अभी इतने बुरे हालात नहीं हैं कि वह 'सच्ची खबरें' न दिखा सके। जिन लोगों ने चटग्राम में रैली निकाली थी, उनमें से ही दर्जनभर लोगों को कैमरे के सामने लाकर बता दें कि बांग्लादेश में सद्भाव की लहर चल रही है, अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की ख़बरें कोरी अफवाह हैं! क्या यूनुस ऐसा कर पाएंगे? नहीं, क्योंकि उसके बाद उनके झूठ की पूरी तरह पोल खुल जाएगी। लोग उन वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करना शुरू कर देंगे, जो उन्होंने उस समय रिकॉर्ड किए थे। यूनुस की यह टिप्पणी भी हास्यास्पद है कि 'सरकार इस मामले में बहुत सावधान है, क्योंकि यह एक ऐसी चीज है जिसे भारत हमेशा आगे बढ़ाता है कि हम दबाव बना रहे हैं।' भारत में तो लोगों को सरकारों से शिकायत रही है कि वे बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के हक में आवाज उठाने से परहेज करती हैं। सरकारों की नरमी का नतीजा है कि बांग्लादेश और मालदीव भी भारत को आंखें दिखाते रहते हैं। बांग्लादेश में 'झूठ की दुकान' कुछ ज्यादा ही चल निकली है। अब भारत सरकार को ज्यादा गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इस पड़ोसी देश में शांति और स्थिरता होना भारत के लिए बहुत जरूरी है।

ट्वीटर टॉक

भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का अवलोकन किया। यहाँ मानव जीवन और संस्कृति विकास को दिलचस्प तरीके से दर्शाया गया है। खासकर भित्ति चित्रों के संग्रह ध्यान खींचते हैं। मैंने यहाँ व्यवस्था सम्भालने वाले अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सामाजिक न्याय के अग्रदूत एवं 'सप्त क्रांति' के प्रणेता डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन! राष्ट्र निर्माण और समानता पर आधारित समाज की स्थापना के लिए डॉ. लोहिया का अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

टोंक-सवाई माधोपुर सांसद श्री हरीश मीणा जी के सुपुत्र श्री हनुमंत मीणा जी के निधन के उपरांत आज जयपुर स्थित उनके निवास पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अपूरणीय क्षति पर शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदना व्यक्त की।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सादगी की शक्ति

एक बार लोकनायक जयप्रकाश नारायण जेल में पानी पीने के लिए लंबी कतार में काफी देर तक खड़े रहे। बुजुर्ग होने के बावजूद वे खामोश और शांत थे। उस समय उनका नाम पूरे देश में जाना जाता था। उनके ठीक बगल में तस्कर हाजी मस्तान भी खड़ा था, जो लगातार नखरे कर रहा था और जेल में भी रौब दिखा रहा था। यह घटना 1975 की है, जब देश में आपातकाल लागू थी। मस्तान को भी जेल जाना पड़ा, लेकिन जेल में भी उसका वीआईपी रुतबा बना रहा। वह अधिकारियों को फटकारता, आदेश देता और खास सुविधा पाने की कोशिश करता। लेकिन जब उसने जयप्रकाश नारायण को साधारण कैदी की तरह कतार में खड़े देखा बिना किसी शिकायत या विशेष सुविधा के तो वह भीतर से हिल गया। करीब 18 महीने बाद जब मस्तान जेल से बाहर आया, तो उसने अपराध की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। उस समय देश के प्रमुख अख़बारों ने इस घटना को सचित्र प्रकाशित किया था। उन तस्वीरों में देखा जा सकता था कि कैसे जयप्रकाश नारायण के सामने हाजी मस्तानसुकरनारायण बखिया जैसे कुख्यात तस्कर ईमानदारी और सादगीपूर्ण जीवन जीने की सौगंध ले रहे थे।

सामयिक

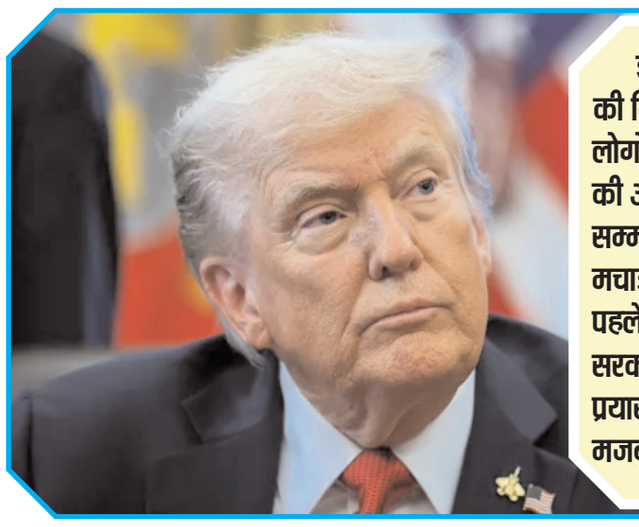

इस बार का नोबेल शांति पुरुस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। यह वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही को लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण बदलाव के लिए किए गए अथक संघर्ष का सम्मान है। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा।

डोनाल्ड ट्रम्प : एक सुन्दर सपना टूट गया

ऋतुपर्ण दवे

मोबाइल : 9302640933

डबोले डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मिया मिट्ठु बनने वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। अपने लिए नोबेल पुरुस्कार मांगने वाले और इसके लिए दावे दावे करने वाले वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। शांति के नोबेल पुरुस्कार के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज ट्रम्प के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रम्प को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है। दरअसल ट्रम्प की दावेदारी और पुरुस्कार न मिलने पर बजाए खुलकर बोलने के लोग, उनके घमण्ड, धौंस, धमक और दादागीरी को वजह बताते हैं जो नोबेल शांति के रूप में नहीं मिला। वैसे भी हर पुरुस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फेहरिस्त होती है और कारण होते हैं। ट्रम्प कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमरीका का राष्ट्रपति होने का गुमान था इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरुस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरुस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है।

अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रम्प भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयंभू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है?

इस बार का नोबेल शांति पुरुस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। यह वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही को लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण बदलाव के लिए किए गए अथक संघर्ष का सम्मान है। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाए गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है। यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरुआत से ही शांति के नोबेल पुरुस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रम्प को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जाने। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोएर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमरीका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो?

अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज है। क्या उनके नाम कभी प्रस्तावित हुआ? दरअसल एक तीखी व्यंग्यात्मक आलोचना के रूप में जरूर उनका प्रस्ताव स्वीडिश संसद के एक सदस्य, एरिक ब्रांट ने 27 जनवरी 1939 को नोबेल समिति को भेजा ब्रांट एक समाजिक-लोकतांत्रिक राजनेता थे। यह उनका स्वीडिश राजनीतिज्ञों की प्रवृत्ति पर कटाक्ष और व्यंग था जो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन की शांति-नीति की तारीफ करते नहीं अघाते थे। जब चेम्बरलेन की शांति के लिए खूब स्तुति हो सकती है, तो हिटलर को भी यूरोप में युद्ध के खतरों लिए नामांकित कर दीजिए। लेकिन सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं और गलतफहमियों से घिरता देख ब्रांट ने अपना नामांकन औपचारिक रूप से वापस भी ले लिया।

नोबेल पुरस्कार की स्थापना बिजनेसमैन, एंटरप्रेन्योर और वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के बाद हुई जिन्होंने अपनी ज्यादातर संपत्ति कई क्षेत्रों में पुरस्कारों के लिए छोड़ी थी। सन 1895 में अपनी वसीयत में कहा था कि ऐसे पुरस्कार उन्हें दिया जाना चाहिए जिन्होंने पिछले साल मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपकार किया हो। शुरुआत 1901 में हुई जो जारी है। केवल प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1914 से 1918 तक और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1939 से 1945 में यह नहीं दिए गए। पुरुस्कार भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा या शरीर क्रिया विज्ञान, साहित्य, शांति और आर्थिक विज्ञान क्षेत्र में दिए जाते हैं। शांति पुरस्कार ऐसा अकेला है जिसका फैसला नॉर्वे की संसद की तरफ से चुने गए पांच सदस्यों की एक समिति की करती है। समिति ओस्लो में है पुरुस्कार वहीं देते हैं। इसमें एक डिप्लोमा, सोने का मेडल और 11 मिलियन स्वीडिश मुद्रा (10.36 करोड़ रुपये) दी जाती है। नियमानुसार पुरुस्कार देने और न देने की वजह अगले 50 सालों तक नहीं बताई जाती है। काश ट्रम्प काश इतना इंतजार कर पाते? फिलाहाल यह देखना होगा कि तिलमिलाए ट्रम्प आगे भी शांति दूत बने रहेंगे या दुनिया की शांति हरेंगे क्योंकि उनकी खीझ, खिसियाहट, टैरिफ वार और बॉडी लैंग्वेज कुछ और ही इशारा कर रही है?

नजरिया

अहोई माता : संतान के जीवन में मंगल भरने वाली शक्ति

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

करवा चौथ के चार दिन पश्चात और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले भारत में हिन्दू समुदाय में एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 13 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी

जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे।

दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीर्घायु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना।

चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पत्ति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा।

साहूकार दम्पत्ति ने हाथ जोड़कर कहा, ''हमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीर्घायु का वरदान दें।''

''तथास्तु!'' कहकर अहोई माता अंतर्ध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पत्ति को दीर्घायु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे। देवी पार्वती को अनहोनी को होनी बनाने वाली देवी माना गया हैं, इसलिए अहोई अष्टमी पर माता पर्वती की पूजा की जाती है और संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अफगानिस्तान बाहरी आक्रमण सहन नहीं करेगा: मुत्तकी

नयी दिल्ली/भाषा

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष का अफगानिस्तान शांतिपूर्ण समाधान चाहता है, लेकिन यदि प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उसके पास अन्य विकल्प भी हैं। उन्होंने कहा कि उनका देश किसी भी बाहरी आक्रमण का सामना करने के लिए पूरी तरह एकजुट है। बृहस्पतिवार को काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच फिर से संघर्ष शुरू हो गया है। भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आये मुत्तकी ने कहा कि कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है और उनका देश अपनी संप्रभुता का किसी भी तरह का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तानी कार्रवाई के जवाब में अफगान बलों ने शनिवार रात दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पर कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमला किया, जिससे व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई। तालिबान के एक प्रवक्ता ने काबुल में कहा कि अफगान बलों ने कई पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर कब्जा कर लिया है और संघर्ष में 58 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई।

मुत्तकी ने नयी दिल्ली से पाकिस्तान को दिये स्पष्ट संदेश में कहा, अफगानिस्तान इस्लामी अमीरात की नीति सभी समस्याओं को बातचीत के माध्यम से हल करने की है। हम कोई तनाव नहीं चाहते हैं और यदि वे ऐसा नहीं चाहते हैं, तो अफगानिस्तान के पास अन्य विकल्प हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान को पाकिस्तान के लोगों और नेताओं से कोई समस्या नहीं है, हालांकि उस देश में कुछ तत्व माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान तालिबान शासन पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादियों को शरण देने का आरोप लगाता रहा है तथा देश के अंदर हुए कई हमलों के लिए इस समूह को जिम्मेदार ठहराता रहा है। अफगानिस्तान ने इन आरोपों को खारिज किया है।

सैनिकों को भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पेंटागन 'सभी उपलब्ध धन' का उपयोग करे : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने रक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह सरकारी वित्त पोषण रुकने के कारण हुए 'शटडाउन' के बावजूद अमेरिकी सैनिकों को बुधवार को वेतन देने के लिए सभी उपलब्ध धनराशि का उपयोग करे। ट्रंप ने कहा कि यह एक अल्पकालिक उपाय है जो उन लाखों संघीय कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जिन्हें छुट्टी पर भेज दिया गया है। राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह इसलिए कदम उठा रहे हैं अन्यथा हमारे बहादुर सैनिकों को निर्धारित 15 अक्टूबर को उनका वेतन नहीं मिल पाएगा। ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह कमांडर-इन-चीफ के रूप में अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को 15 अक्टूबर को सैनिकों को वेतन दिलाने के लिए सभी उपलब्ध धनराशि का उपयोग करने का निर्देश दे रहे हैं।

एक अक्टूबर को संघीय बजट चक्र की शुरुआत में सरकारी वित्त पोषण रुकने से 'शटडाउन' के कारण सरकारी कामकाज ठप होने के बाद अमेरिकी सैन्यकर्मियों को बुधवार को अपना अगला वेतन नहीं मिलने का खतरा था। अमेरिका में लगभग 13 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं और 'कैपिटल हिल' (संसद भवन परिसर) के सांसदों की 'शटडाउन' के नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा के दौरान सैनिकों को वेतन नहीं मिलने की आशंका चर्चा का मुख्य विषय रही है।

महोत्सव

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री, मनसुख मंडाविया नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में उद्गार युवा महोत्सव में शिरकत की।

प्रार्थना

थाईलैंड का विदेश मामलों का प्रतिनिधिमंडल, भिक्षुओं और भिक्षुणियों के साथ, 68 वर्षों के बाद आध्यात्मिक वापसी के प्रतीक के रूप में एक मंदिर में जीर्णोद्धार प्रार्थना करता हुआ।

सीमा पर संघर्ष में 23 पाकिस्तानी सैनिक और 200 से अधिक तालिबान लड़ाके मारे गए : पाक सेना

इस्लामाबाद/पेशावर/भाषा

पाकिस्तानी सेना ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर रात भर हुई भीषण झड़पों में कम से कम 23 पाकिस्तानी सैनिक और तालिबान तथा उससे संबद्ध 200 से अधिक आतंकवादी मारे गए। सीमा पार से आक्रमण के एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच दोनों पड़ोसियों के बीच तनाव बढ़ गया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अफगान बलों द्वारा किए गए अकारण हमलों के जवाब में 19 अफगान सैन्य चौकियों और आतंकवादी ठिकानों पर कब्जा कर लिया है। वहीं, अफगानिस्तान का दावा है कि उसकी जवाबी कार्रवाई के दौरान 58 पाकिस्तानी सैनिकों मारे गये और 30 अन्य घायल हो गए। सेना ने एक बयान में कहा कि 11-12 अक्टूबर की मध्य रात्रि को अफगान तालिबान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तान-अफगान सीमा पर बिना उकसावे के हमला किया।

इसमें कहा गया है कि सीमा पार से गोलीबारी और सैनिकों द्वारा किये गये हमलों सहित कायरतापूर्ण कार्रवाई का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों को अस्थिर करना था, ताकि आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा सके और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को बढ़ावा मिल सके। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तानी सैनिकों ने पूरी सीमा पर हमले को निर्णायक रूप से विफल कर दिया और तालिबान बलों और संबद्ध ख्वारिजियों (टीटीपी आतंकवादियों) को भारी नुकसान पहुंचाया।

इसमें कहा गया कि सुरक्षा बलों ने अफगान क्षेत्र के अंदर तालिबान शिविरों, चौकियों और आतंकवादी प्रशिक्षण सुविधाओं पर सटीक हमले और छापे मारे। रात भर चली झड़पों के दौरान 23 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 29 अन्य घायल हो गए, जबकि 200 से अधिक तालिबान और संबद्ध आतंकवादियों को मार गिराया गया, अफगान पक्ष के 21 शत्रु ठिकानों पर थोड़े समय के लिए भौतिक रूप से कब्जा कर लिया गया और कई आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को निष्क्रिय कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके बलों ने सामान्य नागरिकों को जानमाल के नुकसान से बचाने के लिए सभी संभव उपाय किए हैं, साथ ही देश की संप्रभुता की रक्षा जारी रखने की शपथ भी ली है।

मां के किरदार की पहली पसंद थीं निरूपा रॉय, 300 फिल्मों में किया अभिनय

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दुनिया में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी अदाकारी से दिलों में अमिट छाप छोड़ जाते हैं। ऐसी ही एक मशहूर अभिनेत्री थीं निरूपा रॉय, जिन्हें हम सब 'बॉलीवुड की मां' के नाम से जानते हैं। उनकी मां वाली भूमिका ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई और वे हर दर्शक के लिए 'मां' बन गईं। 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन की मां का रोल निभाकर उन्होंने अपनी खास पहचान बनाई।

उस वक्त से लेकर अपने करियर के अंत तक, निरूपा रॉय ने मां के किरदार को ही अपनाया और बॉलीवुड में अपनी एक अलग जगह बनाई। निरूपा रॉय का जन्म 4 जनवरी 1931 को गुजरात के वलसाड में हुआ था। उनका असली नाम कांता चौहान था। महज 14 साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई। शादी के बाद वे अपने पति कमल रॉय के साथ मुंबई आ गईं। कमल रॉय का सपना था कि वे फिल्मों में एक्टर बनें, लेकिन उनके प्रयासों में उन्हें सफलता नहीं

मिली। एक दिन कमल रॉय ने अपनी पत्नी के लिए भी फिल्मी करियर में संभावनाओं के बारे में सोचा और दोनों ने एक गुजराती फिल्म 'रणकदेवी' के लिए ऑडिशन दिया। जहां कमल को रिजेक्ट कर दिया गया, लेकिन निरूपा को लीड रोल ऑफर हुआ। इसी के साथ उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ।

शुरुआती दौर में निरूपा ने ज्यादातर धार्मिक और ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया। वह 'हर हर महादेव', 'रानी रूपमती', और 'नागपंचमी' जैसी फिल्मों में देवी के रोल में नजर आईं। इन किरदारों की वजह से दर्शक उन्हें देवी मानने लगे थे। धीरे-धीरे उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी जगह बनाई और सामाजिक फिल्मों में भी काम किया। उनकी फिल्म 'दो बीघा जमीन' को फिल्म इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाता है, जिसमें उन्होंने शानदार अभिनय किया था।

लेकिन उनकी सबसे बड़ी पहचान 'मां' के किरदार से आई। 1975 में आई फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन के साथ मां का रोल निभाकर वे सबके दिलों में अपनी जगह बना गईं। उस वक्त से लेकर 1990 के दशक तक उन्होंने कई फिल्मों में मां के किरदार निभाए। 'अमर अकबर एंथोनी', 'खून पसीना', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'सुहाग', 'इंकलाब', 'गिरफ्तार', 'मर्द', और 'गंगा-जमुना-सरस्वती' जैसी फिल्मों में निरूपा रॉय ने अमिताभ बच्चन की मां के रूप में यादगार भूमिका निभाई। उनकी मां वाली भूमिका इतनी प्रभावशाली थी कि उन्हें बॉलीवुड की 'क्वीन ऑफ मिसरी' भी कहा जाता था।

निरूपा रॉय का फिल्मी करियर लगभग पांच दशकों तक चला, और इस दौरान उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया। शुरुआत में वह लीड एक्ट्रेस के रूप में काम करती थीं, लेकिन मां के किरदार ने उन्हें अलग पहचान और सम्मान दिलाया।

उन्होंने अपने किरदारों में जो ममता, दर्द और प्यार दिखाया, वह हर दिल को छू गया। इसके लिए उन्हें 2004 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। 13 अक्टूबर 2004 को निरूपा रॉय का निधन हो गया, लेकिन उनकी मां वाली भूमिका आज भी भारतीय सिनेमा में एक मिसाल के तौर पर याद की जाती है।

'द डेविल वियर्स प्राडा-2' में नजर आएंगी लेडी गागा

लॉस एंजिलिस/भाषा। मशहूर गायिका-अभिनेत्री लेडी गागा डिज्नी की 2006 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' के सीक्वल में अभिनय के जलवे बिखेरती नजर आएंगी। मनोरंजन समाचार मंच 'वैरायटी' के मुताबिक, लेडी गागा 'द डेविल वियर्स प्राडा-2' की स्टारकास्ट में शामिल हो गई हैं। यह खबर शूटिंग स्थल पर गागा की मौजूदगी की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होने के बाद आई है। फिल्म में गागा के किरदार से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी जा रही है। 'द डेविल वियर्स प्राडा-2' की शूटिंग इस साल जून में शुरू हुई थी। फिल्म में लेडी गागा के अलावा मेरिल स्ट्रीप, ऐनी हैथवे, एमिली ब्लंट और स्टेनली टुकी भी अहम किरदार निभाते दिखेंगे। 'द डेविल वियर्स प्राडा' के सीक्वल के निर्देशन की जिम्मेदारी भी डेविड फ्रैंकेल संभाल रहे हैं। यह फिल्म एक मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

ऋषभ शेट्टी ने सिद्धिविनायक मंदिर में टेका माथा

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के मशहूर अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की जबरदस्त सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तूफान बनकर छाई हुई है और रिलीज के सिर्फ एक हफ्ते में ही इसने 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। इस बड़ी उपलब्धि के बाद ऋषभ शेट्टी ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान को देते हुए मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेका। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में ऋषभ शेट्टी को सफेद शर्ट और लुंगी में देखा जा सकता है। उन्होंने अपने बाल और दाढ़ी वैसे ही रखी हुई हैं, जैसे उनके किरदार का लुक 'कांतारा चैप्टर 1' में था। ऋषभ नंगे पैर मंदिर पहुंचे और भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद उन्होंने हाथ जोड़कर मीडिया और वहां मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया।

प्रदर्शन

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पटना में जदयू कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान टिकट चाहने वालों के समर्थक नारे लगाते हुए।

दूसरी ही फिल्म से लगा बिंदू देसाई को खलनायिका का टैग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई? बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी। लेकिन विटी फेस होने की वजह से उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस रोल ऑफर नहीं हुआ। अपने पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। अब परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्होंने फिल्मों का रुख किया और उनके जीजा लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसमें उनकी मदद की। बिंदू ने सबसे पहले 1962 में आई फिल्म 'अनपढ़' में साइड रोल किया, और वो उस वक्त 21 साल की थी। फिल्मी पर्दे पर वह फ्लॉप रहीं, लेकिन दूसरी फिल्म 'दो रास्ते' उनके लिए लकी साबित हुई। इस फिल्म में बिंदू ने निगेटिव रोल प्ले किया। एक इंटरव्यू में बिंदू ने खुलासा किया था कि पहले वो तो निगेटिव रोल करने से कतरा रही थीं, लेकिन परिवार वालों ने कहा कि तुक्का मारने में क्या जाता है। फिल्म बनी और रिलीज हुई और फिर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बिंदू की जिंदगी बदल दी। इसके बाद एक्ट्रेस ने 'इत्तफाक', 'आया सावन झूम के', 'डोली', 'कटी पतंग', और 'जंजीर' जैसी फिल्में की।

बिंदू को लगातार फिल्मों में निगेटिव रोल मिलने लगे और उनकी इमेज पूरी तरह निगेटिव हो गई। असल जिंदगी में भी लोग उन्हें पर्दे की खलनायिका की तरह हीं देखते थे। एक्ट्रेस ने खुद इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि महिलाओं को लगता था कि मैं उनके पतियों को हड़प लूंगी। बिंदू ने बताया कि मेरे पति के एक करीबी दोस्त थे और कभी-कभी उनसे बातचीत हो जाती थी, लेकिन उनकी पत्नी को ऐसा लगता था कि मैं उनके पति पर डोरे डाल रही हूंजबकि असल में ऐसा कुछ था ही नहीं। आज बिंदू अपने परिवार और पति के साथ मुंबई में रहती हैं और इंटरव्यू और शो में दिखती रहती हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'महबूबा' में देखा गया था, जो कि 2008 में आई थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 13-10-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दीपावली के अवसर पर मानवीय सेवा कार्य के तहत कुमारा पार्क स्थित वल्लभ निकेतन आश्रम के लगभग पचास बच्चों और वृद्धाश्रम के सदस्यों को भोजन कराया।

जिनवाणी का ज्ञान होता है बहुत महान : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि प्रभु महावीर का मानव पर अनंत उपकार है। उनकी वाणी सुनकर हजारों लोग धर्म की ओर बढ़ते हैं और धर्म का पालन करते हैं। ऐसे महावीर प्रभु की वाणी के श्रवण का मौका हमें भी मिला है। इसको सुन कर आत्मसात कर जीवन का उद्धार कर लेना चाहिए। महावीर प्रभु की वाणी में आत्म सुख समाहित है। प्रभु वाणी सुनने से ही शासन की ज्योति जलती है। अभी प्रभु महावीर का शासन है। वे सदा भक्तों के लिए सुखदाई हैं। कष्ट आने पर मानव भगवान को याद करता है। मोक्ष में जाते जाते प्रभु महावीर ने ज्ञान का भंडार दिया है। यह कान से सुन कर मन में धारण करने लायक है। सुनते सुनते अगर एक कण भी लग जाए तो बेड़ा पार हो जाएगा। प्रभु की वाणी बहुत शक्तिशाली होती है। मानव थोड़ा प्रयास करे तो जीवन सफल हो जाएगा। जिनवाणी को आत्मसात करने का प्रयास करना चाहिए। थोड़ा भी अमृत अगर जीवन में मिल जाए तो मानव जीवन सफल हो जाता है। ज्ञमुनिश्री ने कहा कि नौवां अध्याय नमिराज ऋषि का अध्याय है। उनके सामने ऐसा निमित्त बना कि वो खुद वैरागी बन गए। दुनिया बहुत दुखकारी है।

तन और मन में बीमारी ही लगी है। इसलिए जितना जल्दी हो सके, इसको छोड़ कर कल्याण के मार्ग पर बढ़ जाना चाहिए। दुनिया में जन्म मरण का दुख है। नमिराज ऋषि ने दुनिया को समझ लिया और मोक्ष मार्ग पर बढ़ कर अपना जीवन बदल लिया। दसवां अध्ययन पेड़ का पत्ता है। जो एक हवा के झोंके से जमीन पर आ जाता है। जमीन पर आने पर उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है, इसलिए संसार में क्षण मात्र में सब खत्म हो जाता है। एक हवा के झोंके से सब नष्ट हो जाता है, इसलिए संसार में फंस कर जीवन को बर्बाद नहीं करना चाहिए। समय रहते अमृतवाणी को सुनकर जीवन को बदल लेना चाहिए। सभा में हीरा बाग स्थानकवासी जैन संघ ने आगामी 2026 के चातुर्मास के लिए निवेदन किया। अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा एवं महामंत्री अशोक कुमार बांठिया ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा में संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने आभार व्यक्त किया। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने स्वागत किया। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

ओस की बूंद के समान यह मानव जीवन है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेश मुनि जी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि ओस की बूंद के समान यह मानव जीवन क्षणभंगुर है। जैसे वृक्ष का पका हुआ पीला पत्ता झड़ जाता है वैसे ही यह मनुष्य का जीवन भी एक दिन समाप्त हो जाता है। भगवान महावीर ने अपने प्रधान प्रमुख शिष्य गणधर गौतम स्वामी के माध्यम से जगत के जीवों को यही संदेश दिया कि इस प्राप्त दुर्लभ मानव जीवन को व्यर्थ नहीं गंवाते हुए अपने समय का सदुपयोग धर्म आराधना साधना में करते हुए इस अनमोल मानव जीवन को सफल सार्थक बनाने का पुरुषार्थ, प्रयास करना चाहिए। धर्म साधना में साधक को समय मात्र का भी प्रमाद नहीं करना चाहिए। प्रमाद की अधिकता के कारण यह जीव अपने शुभ, अशुभ कर्मों के अनुसार नरक तिर्यच आदि चारों गतियों में जन्म मरण रूपी संसार में अनन्त काल से भव परिभ्रमण करता रहता है। उन्होंने सूत्र के अध्ययनों पर चर्चा करते हुए कहा कि हम प्रभु महावीर का निर्वाण कल्याणक मना रहे हैं लेकिन दूसरी ओर देखते हैं कि जिस अनन्त उपकारी तीर्थंकर परमात्मा भगवान महावीर ने जगत के सभी जीवों, छह काय के जीवों की रक्षा करने का उपदेश दिया है। हम देखते हैं कि दीवाली नजदीक आते ही घरों में छोटे से लेकर बड़े तक परिवार के सभी सदस्य बड़े पैमाने पर आतिशबाजी करते हैं और पटाखे फोड़ते हैं। पटाखों के दुष्परिणाम बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि इनके प्रयोग से धन, जन, मूक जीवों की हानि के साथ हमारा यह पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। अतः बच्चों के साथ सभी को हमेशा के लिए अपने मन में जीव रक्षा की भावना मजबूत करते हुए आजीवन आतिशबाज़ी, पटाखों का त्याग करने का संकल्प ग्रहण करना चाहिए।ज्ञउन्होंने कहा कि जो दूसरों का तिरस्कार, अपमान करता है उसे भी आगे स्वयं अपमानित, तिरस्कृत होना पड़ता है। जो किसी का अहित नहीं करता वही बहुश्रुत बन सकता है। उन्होंने आगे हरिकेशी मुनि के कथानक पर भी सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि व्यक्ति रूप, रंग, जाति, धन, वैभव से नहीं बल्कि अपने कर्मों से, अपने गुणों से महान बनता है। शालिभद्र मुनि जी ने श्रद्धालुओं को श्री उत्तराध्ययन सूत्र के आगे के अध्ययनों का वाचन सामूहिक रूप से स्वाध्याय पारायण करवाया। श्रुत साधना में सहयोगी बनने का लाभ चामराजपेट गुरु भक्त परिवार ने लिया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समिति के महामंत्री महावीर चंद मेहता ने सबको धन्यवाद दिया।

माहेश्वरी महिलाओं ने दीपावली के उपलक्ष्य में की मानवसेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दीपावली के अवसर पर मानवीय सेवा कार्य के तहत कुमारा पार्क स्थित वल्लभ निकेतन आश्रम के लगभग पचास बच्चों और वृद्धाश्रम के सदस्यों को भोजन कराया।

भोजन के साथ साथ संगठन संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियाणी ने सभी का स्वागत किया। बिमला साबू, निर्मला काँकाणी, कान्ता काबरा, गायत्री मालपानी एवं बिन्दु गिलड़ा ने इस सेवा कार्य में विशेष सहयोग दिया।

भोजन के साथ साथ संगठन की सदस्याओं शाम का नाश्ता व दो माह की राशन सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर सुलोचना जाजू ने बच्चों को पेन्सिल, रबड़, स्केल और अन्य शैक्षणिक सामग्री भी भेंट की तथा बच्चों के साथ दीपोत्सव मनाया गया।

त्योहारों को श्रद्धा और उत्साह से मनाना ही सच्ची भक्ति है : डॉ. वरुण मुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मास हेतु विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने रविवार को सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहार केवल आनंद और उल्लास के अवसर नहीं होते, बल्कि वे आत्मिक शुद्धि, सद्भावना और समाज में संस्कारों के संचार के प्रतीक हैं। मुनिश्री ने कहा कि जब हम किसी भी पर्व को श्रद्धा, संयम और उल्लासपूर्ण भावना से मनाते हैं, तब वह हमारे जीवन में नई ऊर्जा, संतुलन और आत्मिक प्रसन्नता का संचार करता है। उन्होंने कहा कि त्योहार केवल परंपराओं का पालन भर नहीं, बल्कि हमारे अंतर्मन को शुद्ध करने और आत्मा को जागृत करने के अवसर हैं। गुरुदेव ने कहा कि त्योहारों के माध्यम से हमें सदाचार, सेवा, करुणा और आत्मसंयम जैसे सद्गुणों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हमारी भक्ति व्यवहार में और श्रद्धा आचरण में उतरती है, तभी आध्यात्मिकता सार्थक होती है और वही समाज के कल्याण का माध्यम बनती है। कार्यक्रम में रूपेश मुनिजी ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। संचालन राजेश मेहता द्वारा किया गया।

बोहरा बने सच्चियाय माता जैन युवक सेवा मंडल के अध्यक्ष, सेठिया बने मंत्री

बेंगलूरु /दक्षिण भारत। शहर के सच्चियाय माता जैन युवक सेवा मंडल की बैठक सच्चियाय माता जैन संघ के मंत्री अरूण भंसाली, अनिल गादिया एवं ट्रस्टी माणकचंद गुलेच्छा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए सर्वसम्मति से मंडल की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। मंडल के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मदनराज बोहरा को सौंपी गई।

मनोज बाफना, सुधीर पोकरना को उपाध्यक्ष, लतेश सेठिया को मंत्री, आशीष बाफना, तरुण बोहरा को सहमंत्री, पदम भूरट को कोषाध्यक्ष, अशोक समदड़िया को संगठन मंत्री, विनय बैद को प्रचार प्रसार मंत्री मनोनीत किया गया। साथ ही विमल रांका, कमलेश बाफना, सुशील बाफना, फूटरमल दांतेवाड़िया, उत्तम देसरला, अनिल बाफना, विकास गुलेच्छा, रजत बैद एवं संदीप चोपड़ा को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है ।

सज्जनों की संगति से भी साधुओं की संगति अधिक श्रेष्ठ : मुनि विनीत कुमार

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। शहर के अरिहंतनगर केशवापुर में विराजित मुनि विनीत कुमारजी एवं पुनीत कुमारजी के सान्निध्य में जैन संत की दिनचर्या से संबंधित 'आरोहण' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विनीत कुमार जी ने उपस्थित 18 साधकों को साधु चर्या के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के उत्थान में साधु संतों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। जैन धर्म की चरित्र आत्माओं ने अपनी साधना से भारतीय संस्कृति को बहुत आगे बढ़ाया है। ऋषि, मुनि, साधु, सन्त प्रतिकूल परिस्थितियों में अधीर नहीं होते, अपने मानसिक संतुलन को नष्ट नहीं होने देते। मुनिश्री ने साधुओं के संपर्क में रहने से होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि सत्संग का अर्थ है परिचय, सम्पर्क या संगति।

संगति पूरे जीवन को प्रभावित करती है। वह उन्नति के द्वार खोल देती है। मुनिश्री ने कहा कि सज्जनों की संगति से जीवन सद्गुणमय बन जाता है, परन्तु साधुओं की संगति से वह वैराग्यमय, निःस्वार्थ, परम शान्त, तेजस्वी और सुखी बन सकेगा, अतः सज्जनों की संगति से भी साधुओं की संगति को अधिक श्रेष्ठ माना गया है। इस मौके पर तेरापंथ सभा,तेरापंथ युवक परिषद हुब्बली के सक्रिय कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

भारतीय डाक द्वारा मैसूरु विभागीय कार्यालय में वरिष्ठ अधीक्षक जे. हरीश ने शुक्रवार को ग्राहक सभा में मैसूरु के दीपक कुमार जैन का सम्मान किया। पोस्टल फोरम के सदस्य दीपक कुमार गत 15 वर्ष से डाक विभाग के साथ डाक अधिकारी एवं ग्राहक के बीच में सेतु का कार्य कर रहे हैं और समय समय पर मैसूरु मुख्य डाक घर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अपना योगदान भी देते आ रहे हैं। इस मौके पर उप अधीक्षक नवीन एवं विपणन प्रबंधक डॉ सुरेश अम्मासांद्रा ने जैन का परिचय करवाया। कार्यक्रम में विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

सुरेश गोपी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफे की पेशकश की

कन्नूर/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा देने की इच्छा जताई और भाजपा के नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य सी सदानंदन मास्टर को केंद्रीय मंत्रिमंडल में उनकी जगह दिए जाने की सिफारिश की। यहां सदानंद की मौजूदगी में एक समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गोपी ने कहा कि सदानंद का राज्यसभा सदस्य बनना उत्तरी कन्नूर जिले की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

उन्होंने कहा, मैं यहां पूरी ईमानदारी से कह रहा हूं कि मुझे हटाकर सदानंदन मास्टर को (केंद्रीय) मंत्री बनाया जाना चाहिए। मेरा मानना है कि यह केरल के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय बनेगा। केंद्रीय पेट्रोलियम और पर्यटन राज्य मंत्री गोपी ने कहा कि वह कामना करते हैं कि सदानंदन के सांसद कार्यालय को जल्द ही मंत्री कार्यालय में बदला जाएगा। अभिनेता गोपी ने कहा कि वह राज्य के सबसे युवा भाजपा सदस्यों में से एक हैं और अक्टूबर 2016 में ही पार्टी में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में जीत के बाद पार्टी ने उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया। गोपी ने कहा, मैं अपना फ़िल्मी करियर छोड़कर कभी मंत्री नहीं बनना चाहता था। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उनकी आय काफी कम हुई है। कन्नूर जिले के भाजपा के वरिष्ठ नेता सदानंदन मास्टर राजनीतिक हिंसा के शिकार रहे हैं। 1994 में माकपा कार्यकर्ताओं के एक कथित हमले में उन्होंने अपने दोनों पैर गंवा दिए थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ज्ञानवाटिका के वार्षिकोत्सव में बच्चों का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका का वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। खरतरगच्छ महिला परिषद की उपाध्यक्ष और बेंगलूरु शाखा की अध्यक्षा आरती जैन ने बताया कि बसवनगुड़ी के 50 से अधिक बच्चे ज्ञान वाटिका से ज्ञान उपार्जन कर रहे हैं। साध्वी हर्षापूर्णाश्री की उपस्थिति में वार्षिकोत्सव का शुभारंभ दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, पुखराज गवाड़ी, केएमपी चेयरपर्सन किरण ललवानी, अध्यक्षा आरती जैन, महामंत्री रेखा चौपड़ा, संरक्षिका शांतिबाई गोठी, खरतरगच्छ संघ के मंत्री राजेंद्र गुलेच्छा, सेवा मंडल के मंत्री ललित डाकलिया आदि ने सरस्वती माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया।

वार्षिकोत्सव में ज्ञान वाटिका के बच्चों ने 'सुख की खोज' के ऊपर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। अरविन्द कोठारी ने कहा कि अगले वर्ष तक जो बच्चे पंच प्रतिक्रमण, दो प्रतिक्रमण सीखेंगे उन्हें बम्पर ईनाम, सोने की गिन्नी और सोने की चैन से सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद तपस्वी हुनर धारीवाल और तुषार धारीवाल का सम्मान किया। साथ ही ज्ञान वाटिका परीक्षा दूसरे भाग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली मोक्षा गोलेच्छा, बेंगलूरु ज्ञान वाटिका में तीसरे भाग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले तुषार धारीवाल को राष्ट्रीय ज्ञान वाटिका द्वारा रजत मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

उपस्थिति के लिए वाटिका के तेरह बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी के साथ ज्ञान वाटिका की अध्यापिका चन्द्रिका बोहरा, सुरेखा धारीवाल, सीमा धारीवाल, पवनी बाफना, स्वाति गोलेच्छा, यशोदा गुलेच्छा का भी सम्मान किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रतियोगिता : बेंगलूरु के स्मैश बॉयज द्वारा राजाजीनगर स्थित आरपीए खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा 'स्मैश कप 2025' का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। प्रतियोगिता में भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com